वर्षः– 06
अंकः– 56
मुरादाबाद
(Tuesday)
16 June 2026
पृष्ठः–8
मूल्यः– 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूं न लिखूं सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

ब्रातिस्लावा में पीएम मोदी को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर, बोले– यहां मिला यादगार स्वागत

पीएम मोदी बोले– सहमति का स्वागत, बाकी मुद्दों पर बातचीत से टिकाऊ और अंतिम समझौते की आशा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण के तहत रविवार को स्लोवाकिया पहुंचे। इस दौरान वह स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा वह व्यापार जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में वहां के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इसके बाद दोनों नेताओं ने भारत और स्लोवाकिया के बीच हुए कई समझौतों (MoUs) के आदान–प्रदान को देखा। इस बैठक में भारत और स्लोवाकिया के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करने और कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।पीएम मोदी स्लोवाकिया की यात्रा पर हैं, जहां उन्होंने ब्रातिस्लावा कैसल में प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात भारत और स्लोवाकिया के संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए काफी अहम मानी जा रही है। बता दें कि साल 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्लोवाकिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं, जहां पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया और उन्हें %गार्ड ऑफ ऑनर% दिया गया। इस दौरान स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको भी उनके साथ मौजूद रहे।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने स्वागत समारोह में शामिल स्लोवाक परंपरा %ब्रेड और सॉल्ट (रोटी और नमक) का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह परंपरा स्लोवाकिया की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अतिथि सत्कार की भावना को दर्शाती है। स्लोवाक लोक संस्कृति से हुए रूबरू– अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने स्लोवाकिया के मायावा क्षेत्र के प्रसिद्ध लोक कलाकार समूह कोपानिसियारिक की सांस्कृतिक प्रस्तुति भी देखी। उन्होंने कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि लोक परंपराएं किसी देश की संस्कृति और इतिहास को जीवित रखने का महत्वपूर्ण माध्यम होती हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में मिले भव्य स्वागत के लिए भारतीय समुदाय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यहां मिला स्नेह, अपनत्व और गर्मजोशी वास्तव में विशेष और भावुक कर देने वाला अनुभव था। सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, %कल शाम ब्रातिस्लावा में मिला स्वागत वास्तव में विशेष था। भारतीय समुदाय के स्नेह और आत्मीयता के लिए मैं उनका आभारी हूं। ऐसे भावनात्मक संबंध हमारे लोगों को जोड़ते हैं और भारत–स्लोवाकिया मित्रता को और मजबूत बनाते हैं।%पीएम मोदी ने ब्रातिस्लावा आगमन के दौरान स्लोवाकिया के म्यावा क्षेत्र के प्रसिद्ध बाल लोक–नृत्य समूह 'कोपानिसियारिक' द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक लोक नृत्य का आनंद लिया। यह प्रस्तुति वहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है।उनके आगमन पर उनका स्वागत पारंपरिक रीति के अनुसार रोटी और नमक (Bread and Salt) के साथ किया गया, जो स्लोवाकिया की गहरी सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है।स्लोवाक संस्कृति में रोटी और नमक का स्वागत अतिथि–सत्कार, सम्मान और सद्भावना का प्रतीक माना जाता है। इसमें रोटी समृद्धि और जीवन–निर्वाह का संकेत देती है, जबकि नमक मित्रता, मूल्य और सुरक्षा का प्रतीक होता है। यह परंपरा स्लाविक संस्कृति में गहराई से जुड़ी हुई है और अतिथियों के प्रति सम्मान तथा अपनत्व व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।ब्रातिस्लावा स्थित अपने होटल पहुंचने पर पीएम मोदी ने एक आध्यात्मिक प्रस्तुति भी देखी, जिसे स्लोवाकिया के संगीत समूह महादेवा कीर्तन प्रोजेक्ट ने प्रस्तुत किया। इसके अलावा स्लोवाकिया के प्रसिद्ध सांस्कृतिक समूह ल्यूक्निका एन्सेम्बल ने वंदे मातरम की मनमोहक प्रस्तुति भी दी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में रविवार को स्लोवाकिया पहुंच गए। यहां वे राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ बातचीत करेंगे और व्यापार जगत के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद इस देश का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं।अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का एलान हो गया है, जिससे पूरी दुनिया ने राहत की सांस ली है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि उम्मीद है कि इससे स्थायी शांति आएगी और मुक्त परिवहन की आजादी सुनिश्चित होगी।पीएम मोदी ने अमेरिका–ईरान के बीच शांति समझौते के एलान पर प्रतिक्रिया देते हुए इसका स्वागत किया और कहा कि उम्मीद है कि इससे दुनिया में स्थिरता आएगी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा %मैं पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति का स्वागत करता हूं। इस संघर्ष के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक उथल–पुथल हुई है और कई देशों में जान–माल का नुकसान हुआ है। भारत को उम्मीद है कि इस सहमति को लागू करने से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी और आवाजाही व व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी। हम उम्मीद करते हैं कि बाकी मुद्दों पर बातचीत से एक टिकाऊ और अंतिम समझौता हो सकेगा।%अमेरिका–ईरान के बीच शांति समझौते का एलान– पीएम मोदी की यह प्रतिक्रिया, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस एलान के बाद आई है, जिसमें ट्रंप ने ईरान के साथ शांति समझौते पर सहमति बनने का एलान किया। ट्रंप ने बताया कि समझौते के तहत अमेरिका होर्मुज से अपनी नाकेबंदी को खत्म करेगा और ईरान भी जहाजों की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करेगा। ईरान की तरफ से समझौते पर सहमति बनने की पुष्टि की गई है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के जिनेवा में हस्ताक्षर होंगे। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के एलान के बाद दुनियाभर के बाजारों में उत्साह देखा गया। एशियाई बाजारों में आज वृद्धि दर्ज की गई और कच्चे तेल के दाम भी वैश्विक स्तर पर कम हुए हैं। जिससे हालात सामान्य होने की उम्मीद की जा रही है। इस्राइल के बयान ने क्यों बढ़ाई चिंता?– हालांकि चिंताजनक बात ये है कि इस्राइल ने इस शांति समझौते का विरोध किया है। इस्राइल के सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्वीर ने कहा है कि यह समझौता इस्राइल पर लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा कि इस्राइल एक आजाद और संप्रभु राष्ट्र है और वह अपनी सुरक्षा से जुड़े फैसले खुद करेगा। उन्होंने कहा कि इस्राइल अमेरिका का सम्मान करता है और राष्ट्रपति ट्रंप का आभारी है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में कोई भी बाहरी समझौता उसके निर्णयों को नियंत्रित नहीं कर सकता। उनके अनुसार, किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते से ऊपर इस्राइल की सुरक्षा और उसके नागरिकों की रक्षा है। होंने यह भी कहा कि अतीत में अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकने की कीमत इस्राइल को कई बार चुकानी पड़ी है।

संक्षिप्त समाचार

देश के बहुसंख्यक समाज पर भाजपा के फैलाए जहर का असर; सपा सांसद जावेद अली का विवादित बयान

समाजवादी पार्टी के सांसद जावेद अली खान ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि संभल जैसी जगहों पर लोगों को अपनी बात समझाने में हमें ज़्यादा मुश्किल नहीं होती, क्योंकि मुलायम सिंह यादव के समय से ही वहां समाजवादी पार्टी का मज़बूत आधार रहा है। हालांकि, जिन इलाकों में अल्पसंख्यक और मुस्लिम आबादी कम है और हिंदू आबादी ज़्यादा है, वहां स्थिति अलग है।समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सदस्य जावेद अली खान ने अपने मुरादाबाद दौरे के दौरान भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर समाज में विभाजन और वैमनस्य फैलाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा फैलाए गए %जहर% का असर अब देश के बहुसंख्यक समाज पर भी पड़ रहा है, जिससे आपसी विश्वास और सद्भाव कमजोर हुआ है।जावेद अली खान ने अपने बयान में कहा कि देश में धर्म के आधार पर लोगों के बीच आपसी विश्वास में कमी आई है। उनके अनुसार, भाजपा ने एक ऐसा माहौल तैयार किया है, जिसने समाज के विभिन्न वर्गों के बीच दूरियां बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि बहुसंख्यक समाज भी इस जहर से अछूता नहीं है और धर्म के नाम पर लोगों का एक–दूसरे पर भरोसा कम हुआ है।अल्पसंख्यकों की कम आबादी वाले क्षेत्रों पर फोकस– सपा सांसद ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी अब उन क्षेत्रों में भी अपने संगठन को मजबूत करने और जनता तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास करेगी

सड़ा सिस्टम कॉकरोच पैदा करता है, जयपुर में अभिजीत दीपके ने खोला CJP नाम के पीछे का पूरा राज

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके एक दिवसीय धरना–प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल होने जयपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विशेष बातचीत में पार्टी के गठन, उसके नाम के पीछे की कहानी और अपने राजनीतिक विजन को विस्तार से साझा किया। दीपके ने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी किसी राजनीतिक महत्वाकांक्षा का परिणाम नहीं, बल्कि युवाओं के भीतर वर्षों से जमा आक्रोश की अभिव्यक्ति है। उन्होंने बताया कि पार्टी के नाम की शुरुआत उस समय हुई, जब सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर %कॉकरोच% शब्द चर्चा में आया। दीपके के अनुसार, उस टिप्पणी का आशय युवाओं को अपमानित और हतोत्साहित करना था। उन्होंने कहा कि वे पहले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर सक्रिय थे और उनके 20 हजार से अधिक फॉलोअर थे। इसी दौरान उन्होंने एक पोस्ट लिखी कि देश के जितने भी नाकारा, आलसी और बेकार समझे जाने वाले लोग हैं, वे मेरे साथ आएं, क्योंकि मैं कॉकरोच जनता पार्टी बनाने जा रहा हूं।एक पोस्ट और युवाओं का उमड़ा समर्थन– दीपके ने कहा कि इस पोस्ट के बाद जिस तरह युवाओं का समर्थन मिला, उससे यह स्पष्ट हो गया कि देश में असंतोष और नाराजगी बहुत गहरी है। उन्होंने कहा कि कॉकरोच शब्द का इस्तेमाल युवाओं को नीचा दिखाने के लिए किया गया था, लेकिन उन्होंने इसे प्रतिरोध और संघर्ष के प्रतीक में बदल दिया। उनका कहना था कि कॉकरोच हमेशा सड़ी–गली और गंदी जगहों से निकलता है। यदि व्यवस्था पूरी तरह सड़ चुकी हो और उसमें भ्रष्टाचार, बेरोजगारी तथा असमानता फैली हो, तो स्वाभाविक रूप से प्रतिरोध भी उसी व्यवस्था से जन्म लेगा।जनता पार्टी शब्द जोड़ने के पीछे की सोच – पार्टी के नाम में %जनता पार्टी% जोड़ने के सवाल पर दीपके ने कहा कि यह शब्द विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के नाम से प्रेरित होकर लिया गया। उन्होंने कहा कि एक तरफ कॉकरोच व्यवस्था की गंदगी और सड़ांध का प्रतीक है, जबकि जनता पार्टी आम लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करती है। दोनों को मिलाकर कॉकरोच जनता पार्टी का नाम अस्तित्व में आया। बेरोजगारी पर सरकार और सिस्टम को घेरा– दीपके ने बेरोजगारी को देश की सबसे बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि युवाओं को नाकारा और आलसी कहने वाले यह बताएं कि उन्हें रोजगार क्यों नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि रोजगार उपलब्ध कराना सरकार और सिस्टम की जिम्मेदारी है। यदि युवा बेरोजगार हैं, तो यह उनकी नहीं बल्कि व्यवस्था की विफलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन्हें दबाने की कोशिश की जाती है। अमेरिका और भारत की व्यवस्थाओं की तुलना– अमेरिका से हाल ही में लौटे दीपके ने वहां की व्यवस्थाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में सामाजिक सुरक्षा और अवसरों की समानता कहीं अधिक मजबूत है। सरकार नागरिकों को सुविधाएं देकर उन पर कोई एहसान नहीं जताती। वहीं भारत में अभी भी शिक्षा, रोजगार और तकनीकी विकास के मुद्दों पर गंभीर काम की कमी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि एआई और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भारत में केवल घोषणाएं और एमओयू दिखाई देते हैं, जबकि वास्तविक प्रगति के आंकड़े सामने नहीं आते। शिक्षा व्यवस्था पर साधा निशाना– शिक्षा व्यवस्था पर हमला बोलते हुए दीपके ने कहा कि भारत में शिक्षा धीरे–धीरे व्यवसाय में बदल गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि निजी स्कूलों और कॉलेजों का विस्तार युवाओं के भविष्य की कीमत पर हो रहा है, जबकि सरकारी शिक्षा संस्थानों को पर्याप्त रूप से मजबूत नहीं किया गया।युवाओं के भरोसे भविष्य की राजनीति– कॉकरोच जनता पार्टी के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आगे का रास्ता युवा तय करेंगे। उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यवस्था में बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इस बदलाव की शुरुआत हो सकता है। विचारधारा के प्रश्न पर दीपके ने कहा कि वे महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों से प्रेरणा लेते हैं और उनके सपनों का भारत बनाने की दिशा में काम करना चाहते हैं।

इस्राइल के प्रति अंधभक्ति छोड़ें पीएम मोदी, कांग्रेस ने विदेश नीति पर सरकार को क्या दी सलाह?

कांग्रेस ने मोदी सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को अब इस्राइल को एकतरफा समर्थन देने के बजाय संतुलित विदेश नीति अपनानी चाहिए।कांग्रेस ने सोमवार को मोदी सरकार की विदेश नीति को लेकर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पाकिस्तान ने क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर नया प्रभाव बना लिया है और यह भारत के लिए एक गंभीर भू–राजनीतिक चुनौती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को रोकने के लिए 19 जून को जिनेवा में होने वाला समझौता स्वागतयोग्य है, हालांकि इसकी पूरी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।रमेश ने दावा किया कि 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद भारत ने जिस तरह पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग–थलग करने में सफलता हासिल की थी, वह स्थिति अब बदलती दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा, %पाकिस्तान अब क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर नया प्रभाव हासिल करता नजर आ रहा है। चीन की पाकिस्तान की रणनीतिक भागीदारी भारत की विदेश नीति के सामने एक बड़ी भू–राजनीतिक चुनौती है।%कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनसे इस्राइल के प्रति अपने रुख पर पुनर्विचार की उम्मीद करना शायद बहुत ज्यादा होगा, लेकिन भारत के राष्ट्रीय हित संतुलित विदेश नीति की मांग करते हैं। उन्होंने कहा, %मानवीय मूल्यों और भारत की दीर्घकालिक विदेश नीति के अलावा भी राष्ट्रीय हित यह मांग करता है कि सरकार इस्राइल के प्रति अंधभक्ति छोड़ें और अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाए।%कांग्रेस की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है और 19 जून को स्विट्जरलैंड में इस पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर होंगे।जयराम रमेश ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पूरी तरह खुलने से भारत को निश्चित रूप से राहत मिलेगी

संपादकीय Editorial

Power is 'Janardan'!

This should now be the new idiom of Indian democracy and politics. We have heard that the people are 'Janardan'. Prime Minister Modi has acknowledged this many times in public forums and even bowed before the people after the elections. Indeed, this is the classical meaning of democracy, as it is the people who elect their representatives. Prime Ministers, Chief Ministers, and powerful leaders have been dismissed and even removed from power, but now the BJP is forging a new kind of politics. Consider the example of West Bengal. The BJP has dealt a crushing defeat to 15-year-old Chief Minister Mamata Banerjee and her party, the Trinamool Congress, in the elections. This mandate is clear, but the BJP is not satisfied. The rebellion, splits, and defections within the Trinamool Congress are not ideological or moral. In fact, the BJP is determined to break the Trinamool and ultimately render Mamata Banerjee 'partyless'. Interestingly, the Trinamool Congress rebel faction is the main opposition party in Bengal, and hence, its leader, Ritabrata Banerjee, has been recognized by the Speaker as the "Leader of the Opposition." Twenty Trinamool Congress Lok Sabha MPs in Delhi have written to Speaker Om Birla, requesting separate seating arrangements as a "separate faction." The Speaker is likely to meet with the rebel MPs on Monday, June 15, and confirm their signatures. The rebel group of MPs intends to support the NDA. It wouldn't be surprising if they later merge with the BJP. The obvious question is: who is the opposition? Is Trinamool an opposition party or a potential NDA constituent? What mandate did the MLAs and MPs receive in Bengal? While the mandate was certainly against the BJP, now MPs are increasingly becoming more and more pro-government. What kind of politics or acceptance of the mandate is this? Should we now forget about constitutional purity or morality? Even the Supreme Court did not recognize divisions or splits within legislative or parliamentary parties. Perhaps this is the decision of the Constitutional Bench. The Supreme Court considers splits and defections within the party as "division," and therefore, what the BJP is orchestrating within the Trinamool is unconstitutional. Mamata Banerjee is well aware of this, which is why she has challenged the Speaker's decision to appoint the Leader of the Opposition in the Assembly in the Calcutta High Court. The issue of defection is not so serious. Rebel Trinamool MP Sudip Bandyopadhyay, along with another rebel, Shatabdi Roy, met and discussed with Union Minister Bhupendra Yadav. Sudip also met and spoke with Home Minister Amit Shah for about 30 minutes. Sudip was once the Trinamool's parliamentary leader and a close confidant of Mamata. On Sunday, Chief Minister Suvendu Adhikari once again attended a meeting of rebel MPs. If the BJP has no role in the disintegration of the Trinamool, why are the Union Minister and the Chief Minister meeting with the rebels repeatedly? Do they feel like having tea again and again? In fact, this politics has coined a new phrase: "Now even the opposition will be 'in power'! There will be no powerful, rival opposition! If any party or public representative wants to survive politically, they will have to align with the BJP. Now, even during elections, it will be the people, not the government and its management, but the 'people'! Will democracy gradually disappear like this? In fact, this is a major political conspiracy to eliminate the existence of regional parties. They are being threatened with imprisonment, the ED and CBI have been made autocratic, and now the police can enter any leader's home even in the dark of night. However, even if the BJP breaks away 20 Trinamool Congress MPs .

Many questions, no answers: The rupee's fall carries a profound message

Every morning brings with it the fear of something untoward. Be it endless wars, the tariff conundrum, the inflation crisis, the currency's collapse, or the leaked exam papers—these are questions that linger in the air, yet remain unanswered. A strange fear of something untoward happening hangs in the air. The list of things we know about, but don't fully understand, is growing longer. This sense of moving without direction points to a deep doubt about whether doing nothing in geopolitics is worthwhile. Monday morning brought the world its worst fears, as geopolitical tensions and a stock market price crisis converged. Iran launched a barrage of missiles at Israel, and Israel retaliated despite Donald Trump's warnings. Trump's fragile peace deal appears to be crumbling. At the same time, the Korean stock index, KOSPI, hit lower circuit, indicating a sharp decline in valuations. The Nikkei 225 and tech indices in China and Southeast Asia also declined. In India, the Nifty 50 opened lower, further increasing pressure on the rupee. Both geopolitics and financial markets are challenging Trump's claims of mastering the "art of bargaining." Between breakfast and lunch, more than one trillion dollars in value was wiped out on Wall Street. This decline was driven by fears of the US Federal Reserve raising interest rates. Not only did stocks fall, but entire groups of metals (gold, silver, copper, and platinum) also fell along with the stocks. The threat of inflation was nothing new. Inflation was already high worldwide, and this was clearly visible in countries' balance sheets. Inflation is a consequence of Trump's war in West Asia. Sunday marked 100 days since the war began, while Trump claimed the US had "completely destroyed" Iran in the first week. The world is torn between words and their true meaning—for example, are the ceasefires being talked about in Gaza, Lebanon, and the Strait of Hormuz truly ceasefires? Trump, making a bizarre argument, says that in that part of the world, "a ceasefire means you're firing at a little less intensity." The US president is stuck in a situation where he has no way to end the war. The week begins with a plea for peace and ends with the threat of utter devastation. Similarly, the tariff war is a never-ending war. 432 days have passed since the infamous "Liberation Day," yet chaos still rages. Much has changed in the meantime. The US Supreme Court struck down tariffs and ordered refunds. But Trump, unafraid, is adopting new ways to enforce old laws. Recently, India announced to the world that its GDP grew by 7.7 percent last year. But this wasn't celebrated much. That same morning, the Reserve Bank lowered its growth forecast for the coming year to 6.6 percent and raised its inflation forecast to 5.1 percent. The situation was such that the country felt trapped between the past and the uncertain clouds of the future. At the beginning of this decade, India was the fifth largest economy, then rose to fourth, and now has slipped to sixth. This is due to both the impact of the war and the uncertainty of an unfinished agenda. The decline in rank and status is being attributed to the falling value of the rupee. In one year, the rupee has fallen from 86 to 95 per US dollar. The rupee is both the villain and the victim of this situation. The rupee falls due to selling by foreign institutional investors, and the rupee's decline further leads to further selling by foreign institutional investors. The Reserve Bank has outlined six measures—two major ones include opening long-term bonds to foreign investors and facilitating hedging expenses for banks bringing in dollar deposits. Will this be beneficial? Its supporters point out that this was the case in September 2013. The situation is very different now. In 2013, India's policy rate was 7.5 percent, and the US Fed funds rate was 0.08 percent. The difference between the two (actually 7.5 percent) and currency risk cover was indeed significant. By 2025, India's policy rate is 5.25 percent, and the Fed funds rate is between 3.5 percent and 3.75 percent. Will this rate be enough to attract depositors? The rupee's decline highlights problems that have not been addressed. There is much regret that India lacks an AI story. This is true, but it's not the only regret. India's private sector is sitting on approximately ?15 lakh crore in cash and is not investing; the country's record on research and development spending is abysmal. A ?1 lakh crore Research, Development, and Innovation Fund could be helpful. Accelerating disbursements under the ?1 lakh crore Urban Challenge Fund could boost smart cities. In February 2025, two committees were tasked with resolving complexities related to regulations and approvals. What recommendations have they made? Will solar projects require fewer than 116 approvals and permits? Is it easier to build hotels or hospitals? Finally, the way issues related to youth (such as the paper leak case) are addressed suggests that things are changing. They are running without direction. In December 2025, a parliamentary standing committee clearly stated that the National Testing Agency cannot be trusted. In 2026, the NTA proved them right! Why wouldn't the Ministry of Education approach tech experts running billion-dollar companies to design the system? India's economy is beset by many unresolved questions. Margaret Heffernan famously said, "Silence is the language of lethargy." In India's political economy, the politics of collusion fuels this lethargy.

India Beyond OMR Sheets: Creating Opportunities, Not Jobs

It is essential to move youth away from the illusion of secure employment and inspire them towards innovation, value creation, and industry building. In Salori in Prayagraj, Musallahpur Haat in Patna, the narrow streets of Kota, and the small towns of Jharkhand and Bihar, the light of a table lamp burning until 2 a.m. is not merely a scene of study, but rather the last flame of anxiety, insecurity, and the dream of a "secure future" for millions of families. The youth sitting in that small room is not merely preparing for a medical or government job, but is also struggling to overcome generations of economic insecurity and social identity. The question is: is this endless race truly leading them to progress, or is they losing their creative energy, trapped in the maze of societal expectations? In India, NEET, UPSC, SSC, and state-level recruitment exams are no longer merely a means of employment; they have become symbols of social prestige and family self-respect. In 2024, over 2.4 million candidates registered for NEET-UG, while the number of MBBS seats was approximately 110,000. This means that an average of 22 students were competing for one seat. This is evidence of a societal mindset that has narrowed the imagination of young people.

Millions of young people spend five to eight precious years of their lives solely preparing for exams. The most productive time of their youth is spent on a treadmill where countless runners run, but only a handful reach the destination. This system has been fueled by the coaching economy and the glorification of successful candidates. Success is now being sold as a commodity. Families risk their entire lives in the hope that a family member will become a doctor or an administrative officer. But in the process, young people lose their courage to take risks. This is not just a personal tragedy, but a serious crisis of national productivity. Our education system is turning young people into job seekers instead of "creators." Social media, the endless scrolling of reels, and the culture of performance have scattered young people's concentration. The pressure of competitive exams and digital distraction are combined to create an environment of depression, loneliness, and self-deprecation, a painful reflection of which is evident in the news coming from places like Kota. Now, the question is not just about reforming the examination system, but about changing India's overall vision for development. If we are to achieve the goal of becoming a developed nation by 2047, young people must be moved from the "government job queue" to "industry creation." To achieve this, renowned management and higher education institutions must transform into "enterprise creation centers." Higher education must give entrepreneurship, local industries, micro-manufacturing, and agro-based industries the same importance that corporate placements currently receive. Young people must be instilled with the belief that they can become not just job seekers but also creators of new jobs, industries, and a new India. The second important step is the industrialization of rural and semi-urban areas. India's villages are not just centers of cheap labor, but can also become the foundation of the next industrial revolution. Sectors like agro-processing, millet (shreeanna), herbal medicine, food processing, bamboo industry, and local handicrafts hold immense potential. If rural youth receive advanced technology, accessible finance, and effective marketing support, thousands of micro-industries can be developed in small towns. In this context, China's "Township and Village Enterprises" model and Germany's "Mittelstand" model can be exemplary for us, which have enabled local small-scale industries to become globally competitive. We must move schemes like MUDRA and PMEGP from mere paperwork to real youth entrepreneurship. Until every skill, labor, and enterprise receives equal respect, youth will continue to waste their time and energy chasing the mirage of limited jobs. India's greatest asset is its youth power. Now is the time to liberate youth from the illusion of secure jobs and inspire them towards innovation, value creation, and industry building. Nations become great not by job seekers, but by those who create opportunities and futures.

भविष्य में चुनाव लड़ने लायक नहीं बचेगी सपा, केशव मौर्य का दावा- टीएमसी जैसा होगा हाल

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुरादाबाद में कहा कि 2027 में भाजपा 325 से अधिक सीटें जीतेगी और सपा का हाल टीएमसी जैसा होगा।उप मुख्यमंत्री मौर्य ने 2027 में भाजपा की बड़ी जीत का दावा किया।

सपा को परिवारवाद, गुंडाराज के कारण टीएमसी जैसा हाल होने की बात कही। केंद्र सरकार के 12 साल के जनकल्याणकारी कार्यों पर प्रकाश डाला।2027 में 2017 से बड़ी विजय होगी। मुरादाबाद में छह की छह सीटें जीतने के साथ प्रदेश में भाजपा 325 से अधिक सीटें जीतेगी। लोकतंत्र पर खतरे की बात करने वाली समाजवादी पार्टी का हाल 2027 में टीएमसी जैसा होगा। शायद समाजवादी पार्टी भविष्य का चुनाव लड़ने के लायक भी नहीं बचेगी। परिवारवाद, गुंडाराज, भ्रष्टाचार की हिमायत करने वालों को जनता अब कभी नहीं स्वीकारेगी। जनता फिर से भाजपा के विकास कार्यों को आधार बनाकर वोट करेगी। 2027 में ही नहीं 2047 तक प्रदेश व देश में भाजपा की ही सरकार बनेगी।हाल में ही पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में आए चुनाव नतीजे इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। यह बातें रविवार को मीडिया सो बातचीत में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहीं।

वह यहीं नहीं रुके। कहा कि चुनाव के समय कोई किसी से गठबंधन कर ले, खिलेगा कमल ही। सपा मुखिया अखिलेश यादव की बेटी पर अभद्र टिप्पणी के सवाल पर कहा कि यह अस्वीकार है।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर मुरादाबाद ब्लाक परिसर में आयोजित जनकल्याण शिविर के कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री पहुंचे थे। %%12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के%% कार्यक्रम में उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और सुशासन की प्राथमिकताओं को विस्तार से जनता के सामने रखा।कहा कि आजादी के बाद देश ने आतंकवाद, नक्सलवाद, उग्रवाद और सांप्रदायिकता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना किया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है।आज भारत आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। देश की सुरक्षा एजेंसियां पूरी मजबूती के साथ राष्ट्र की रक्षा कर रही हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रचार अभियान पर उन्होंने टिप्पणी की।

कहा कि बिहार में सपा का कोई उम्मीदवार नहीं था। फिर भी भाजपा को हराने के उद्देश्य से प्रचार किया गया मगर, जनता ने भाजपा गठबंधन को रिकार्ड जीत दिलाई। पश्चिम बंगाल की राजनीति का उल्लेख करते हुए कहा कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विचारधारा के अभाव में राजनीतिक दल बिखर जाते हैं। वही हाल सपा का होगा। केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर गरीब, किसान, महिला और युवाओं के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। सरकार का लक्ष्य विकास, सुरक्षा और जनकल्याण को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

इससे पहले उन्होंने ब्लाक परिसर में पौधरोपण किया और ग्राम विकास विभाग की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। मुरादाबाद सदर ब्लाक की चार महिला लाभार्थियों शबनम, आशा, सुलोचना व कपिलदेवी को प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वीकृत आवासों की चाबियां भी सौंपीं।कार्यक्रम के बाद उप मुख्यमंत्री ने लघु उद्योग भारती परिवार के सदस्यों, निर्यातकों से भी संवाद किया। सिद्ध अस्पताल पहुंचकर 70 दिन-70 वार्ड अभियान की सराहना की। शहर विधायक रितेश गुप्ता व महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला के घर भी पहुंचे।

फिर सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक कर अफसरों से विकास कार्यों का हाल जाना। कार्यक्रम में शहर विधायक, महानगर अध्यक्ष के साथ महापौर विनोद अग्रवाल, कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह, एमएलसी डा. जयपाल सिंह व्यस्त, गोपाल अंजान, ब्लाक प्रमुख मनीष सिंह, जिला सहकारी बैंक चेयरमैन विजयभान सिंह, जिला अध्यक्ष आकाश पाल समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन संजीव आकांक्षी ने किया।

निर्यातकों ने रखीं समस्याएं, सिंगल विंडो सिस्टम की मांग- लघु उद्योग भारती परिवार के सदस्यों ने परंपरा फेस-दो स्थित मेसर्स पार्थ ओवरसीज के स्वामी निर्यातक राजीव गोयल के आवास पर उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। कहा कि निर्यातकों को अपनी इकाइयों के संचालन के लिए विभिन्न विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेने में काफी समय और संसाधन खर्च करना पड़ता हैं। ऐसे में जिला उद्योग केंद्र (डीआइसी) के माध्यम से सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया जाए।

गृहकर और जलकर से जुड़ी समस्याओं के साथ स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की आवश्यकता भी बताई। इसके अलावा प्रदूषण नियंत्रण विभाग द्वारा आर-2 श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों से पानी की लैब जांच संबंधी नियमों से उत्पन्न दिक्कतों को भी रखा।

प्रतिनिधिमंडल ने पंडित नगला मिनी बाईपास रोड पर हनुमान मंदिर से संभल रेलवे क्रासिंग तक दोनों ओर करीब 20-25 वर्षों से संचालित औद्योगिक इकाइयों वाले क्षेत्र को आर-2 श्रेणी से हटाकर औद्योगिक क्षेत्र घोषित करने की मांग की।

प्रेमनगर इंडस्ट्रियल एरिया को भी पूर्ण रूप से औद्योगिक क्षेत्र घोषित करने का आग्रह किया। ईएसआइ अस्पताल की स्थापना को आवश्यक बताया।

इस दौरान लघु उद्योग भारती के अजय गुप्ता, प्रदेश महामंत्री अमित अग्रवाल, मेरठ संभाग उपाध्यक्ष अंशुल अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष हेमंत जुनेजा, मंडल उपाध्यक्ष अतुल भूटानी, जिलाध्यक्ष रचित अग्रवाल, महासचिव अमित कपूर, कोषाध्यक्ष हिमांशु बंसल, अजय गोयल, राकेश ढल, अमित चौधरी आदि मौजूद रहे।

लंबित पड़ी सब्सिडी का शीघ्र भुगतान कराने का आग्रह- सर्किट हाउस में एक्सपोर्टर्स वाइस एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने भी उप मुख्यमंत्री से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ, अंतरराष्ट्रीय संघर्षों और युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण निर्यात कारोबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

ऐसे में उद्योग को सरकारी सहयोग की आवश्यकता है। निर्यातकों ने सरकार से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत लेकिन लंबित पड़ी सब्सिडी का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की।

ओडीओपी योजना के तहत फैक्ट्रियों में फायर सेफ्टी और प्रदूषण नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाएं स्थापित करने के लिए विशेष सब्सिडी दिए जाने की मांग की। निर्यात इकाइयों पर लगाए जाने वाले हाउस टैक्स और वाटर टैक्स में राहत देने की भी मांग की। चेयरमैन अनूप शंखधार, महासचिव विशाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रजत सिंघल, उपाध्यक्ष नदीम खान, उप सचिव नबील अहमद, ऋषभ सिंघल आदि मौजूद रहे।

70 दिन-70 वार्ड अभियान की गूंज-उप मुख्यमंत्री सिद्ध मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल पहुंचे। अस्पताल निदेशक एवं वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डा. अनुराग मेहरोत्रा ने '70 दिन-70 वार्ड एक मिशन' अभियान की जानकारी दी।

डॉ. अनुराग ने बताया कि नगर निगम और के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे इस अभियान के तहत शहर के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में पहुंचकर लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। उप उपमुख्यमंत्री ने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम की सराहना की।

मुरादाबाद में जमीन विवाद में दो पक्षों में ताबड़तोड़ फायरिंग, गोली लगने से दलित युवक की मौत; DM-SSP ने संभाले हालात

इस घटना में आशीष नामक युवक भी घायल हुआ है, जिसके बाद दलित समाज ने हंगामा किया और पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया।जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग। दलित युवक अंकित की गोली लगने से मौके पर मौत। पुलिस ने दो एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की।कुंदरकी क्षेत्र के गांव खनूपुरा में तीन साल से चल रहे जमीन विवाद को लेकर रविवार को सुबह आशीष और विशाल फिर आमने-सामने आ गए। मारपीट के बाद विशाल ने अपने भाई के साथ मिलकर फायरिंग कर दी। घर के बाहर बैठे दलित युवक अंकित के गर्दन में गोली लगने से मौत हो गई। मारपीट में आशीष बुरी तरह घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने का प्रयास किया तो हंगामा हो गया। जानकारी पर डीएम डॉ. राजेंद्र पेंसिया, एसएसपी सतपाल अंतिल, एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह पहुंच गए। कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत किया। आरोपित मौके से भाग गए है।तीन साल पहले खरीदी थी जमीन- गांव खनूपुरा निवासी सुखवीर सिंह ने तीन साल पहले गांव के ही विशाल के परिवार के एक व्यक्ति की तीन बीघा जमीन खरीदी थी। उस जमीन को विशाल अपनी बताता है। इसी बात को लेकर सुखवीर और विशाल के बीच विवाद चला आ रहा है। कई बार मारपीट के साथ फायरिंग भी हुई है। रविवार को सुबह करीब सात बजे सुखवीर सिंह का बेटा आशीष ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर विशाल के घर सामने अपने खेत में पशुओं का गोबर डालने के लिए पहुंचा था।गाली गलौज का विरोध करने पर पिटाई- तभी विशाल अपने भाई निकिल के साथ आशीष के पास पहुंचा और गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर लाठी डंडों से पिटाई करनी शुरू कर दी। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग और आशीष के स्वजन दौड़े तो दोनों भाई भागकर घर पहुंचे और तमंचे निकाल लाए। दोनों ने अंधाधुंध फायरिंग करनी शुरू कर दी। आशीष को छूते हुए एक गोली निकल गई। वहीं अपने घर के बाहर बैठा दलित युवक अंकित के गर्दन में गोली लग गई। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। तमंचे लहराते हुए फरार हुए आरोपित- आरोपित युवक की हत्या करने के बाद तमंचे लहराते हुए भाग गए। दलित समाज के लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। पुलिस से नोकझोंक हुई। ग्रामीण आरोपितों की गिरफ्तारी होने तक शव पोस्टमार्टम नहीं भेजने पर अड़ गए। आसपास के गांवों से भी दलित नेता पहुंच गए।डीएम और एसएसपी मौके पर पहुंचे डीएम-एसएसपी ने पहुंचकर किसी तरह स्थिति को संभाला। घायल आशीष को मुरादाबाद के कासमास अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि दो शिकायती पत्र लिए जा रहे हैं। एक शिकायती पत्र मृतक के परिवार की तरफ से जबकि दूसरा घायल आशीष की तरफ से। दोनों शिकायती पत्रों पर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगा दी गई है।

पटवाई के रहटगंज गांव में कट्टे में बंद लाश मिलने से मचा हड़कंप

थाना पटवाई क्षेत्र के अंतर्गत रहटगंज गांव में सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब गौशाला के पास स्थित एक गंदे नाले में, पुलिया के नीचे एक अज्ञात बंद कट्टा मिला। कट्टे के अंदर शव होने की आशंका से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक सोमवार की सुबह जब ग्रामीण रोजाना की तरह अपने खेत-खलियान की तरफ जा रहे थे, तभी नाले में पड़े एक संदिग्ध बंद कट्टे पर उनकी नजर पड़ी। कट्टे से बाहर पैर दिखाई देने पर ग्रामीणों के होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत भांप लिया कि कट्टे के भीतर किसी इंसान का शव छिपाकर फेंका गया है। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।मौके पर पहुंची पुलिस, जांच शुरू की ग्रामीणों द्वारा तत्काल इस सनसनीखेज घटना की सूचना थाना पटवाई पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पटवाई पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कट्टे को नाले से बाहर निकलवाकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस शव की शिनाख्त करने की कोशिश कर रही है। हत्या कर शव को नाले में फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की गहराई से तफ्तीश में जुट गई है।

बहन-बेटी की तरफ बुरी नजर से देखा तो चौराहे पर पीटूंगा मुरादाबाद में थानेदार की मनचलों को कड़ी चेतावनी

मुरादाबाद के कुंदरकी थाना प्रभारी ने संध्या जन चौपाल में मनचलों को बहन-बेटियों से छेड़छाड़ करने पर सरेआम पीटने की चेतावनी दी। इस चेतावनी का वीडियो वायरल हो गया है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति और सुरक्षा स्थापित करना है।कुंदरकी थाना प्रभारी ने मनचलों को सरेआम पीटने की चेतावनी दी। यह चेतावनी संध्या जन चौपाल में दी गई, वीडियो वायरल। मुरादाबाद के कुंदरकी थाना प्रभारी द्वारा मनचलों को सरेआम चौराहे पर पीटने की चेतावनी दी गई। कहा कि 'बहन-बेटी की तरफ बुरी नजर से देखा या बदतमीजी की तो चौराहे से पीटता हुआ ले जाऊंगा।इस मामले में किसी की सिफारिश नहीं मानूंगा।

बहन-बेटी सब की हैं। ऐसी घटनाओं के बाद उनके व घरवालों पर क्या बीतती है, यह दर्द समझना चाहिए।' मुरादाबाद में संध्या जन चौपाल में मनचलों को दी चेतावनी-कुंदरकी थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में आयोजित संध्या जन चौपाल के दौरान थाना प्रभारी हम्बीर सिंह जादौन ने मनचलों को दो टूक चेतावनी दी। थानेदार के इस अंदाज का किसी ग्रामीण ने वीडियो बना लिया, जो अब इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।मामले पर थाना प्रभारी का कहना है कि उनके इस कड़े लहजे का एकमात्र उद्देश्य क्षेत्र में शांति व सुरक्षा का माहौल बनाना और अपराधियों में खौफ पैदा करना था।

संक्षिप्त समाचार

अब हजरत सुल्तान शाह की मजार पर चला प्रशासन का बुलडोजर, मुरादाबाद में अवैध निर्माण पर कार्रवाई

मुरादाबाद के कांठ रोड पर अवैध रूप से बनी हजरत सुल्तान शाह की मजार को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है। डीएम की जांच में अवैध निर्माण की पुष्टि होने के बाद बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की गई।कांठ रोड पर हजरत सुल्तान शाह की अवैध मजार ध्वस्त। डीएम की जांच में अवैध निर्माण की पुष्टि हुई। पुलिस-प्रशासन की टीम ने बुलडोजर से कार्रवाई की।डिडोरी गांव में तालाब में दर्ज भूमि पर बनाई गई अवैध मस्जिद, भोजपुर में चामुंडा मंदिर की भूमि पर बनी अवैध मजार ध्वस्तीकरण के बाद सोमवार को कांठ रोड पर अवैध रूप से बनी हजरत सुल्तान शाह की मजार ध्वस्त कर दी गई। सड़क के किनारे बनी थी मजार- मजार बिल्कुल सड़क के किनारे बनी थी। धीरे-धीरे उस पर पक्का निर्माण कर लिया गया था। शिकायत के बाद डीएम डा. राजेन्द्र पैंसिया ने जांच कराई जिसमें अवैध निर्माण की पुष्टि हुई। इसके बाद सोमवार को पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और बुलडोजर चलाकर मजार को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया। अंदर तक किये गए अवैध निर्माण को ढहा दिया गया।

ट्रेन यात्रियों की मौज! अब सीट पर आएगा गरमा-गरम खाना, बाजार से 25त्न सस्ता; 15 में पेट भर भोजन

मुरादाबाद जंक्शन पर 25 जून से ई-कैटरिंग सेवा शुरू होगी, जिससे यात्री अब ट्रेन में अपनी सीट पर ही ऑनलाइन गरमा-गरम भोजन मंगा सकेंगे। यह सेवा बाजार से 25% सस्ती होगी और 15 में जनता खाना भी उपलब्ध रहेगा।मुरादाबाद रेलवे जंक्शन पर प्लेटफार्म नंबर एक पर सवा साल बाद दोबारा संचालित हुए रिफ्रेशमेंट रूम से 25 जून से ई-कैटरिंग सेवा शुरू करने की तैयारी है। इसके बाद यात्री ऑनलाइन बुकिंग कर ट्रेन में अपनी सीट पर ही भोजन मंगा सकेंगे। अभी तक रिफ्रेशमेंट रूम तक ही भोजन की व्यवस्था है। आइआरसीटीसी की ओर से टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से आरके फूड प्रोडक्ट कंपनी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। कंपनी देश के 32 रेलवे स्टेशनों पर खानपान सेवाएं संचालित कर रही है। अब मुरादाबाद जंक्शन के रिफ्रेशमेंट रूम से ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों को भी ऑनलाइन भोजन सुविधा का लाभ मिलेगा। दस मिनट पहले बुक करने से मुरादाबाद जंक्शन पर ट्रेन आते ही भोजन पहुंच जाएगा। अभी तक अन्य कंपनियों के माध्यम से ट्रेनों में खाने की सुविधा थी।रेलवे की ई-कैटरिंग सेवा के तहत यात्रियों को भोजन थाली, वेज बिरयानी, एग बिरयानी, मसाला डोसा, छोले-चावल, राजमा-चावल, छोले-भटूरे, पूरी-कचौड़ी, पाव भाजी समेत कई व्यंजन उपलब्ध होंगे। भोजन थाली की कीमत 70 रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें चावल, रोटी, दाल, सब्जी, रायता, सलाद और अचार शामिल रहेगा।रेलवे कर्मचारियों को यही थाली 60 रुपये में उपलब्ध कराई जा रही है। रिफ्रेशमेंट रूम प्रबंधन का दावा है कि ई-कैटरिंग के माध्यम से उपलब्ध कराया जाने वाला भोजन बाजार की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत तक सस्ता पड़ेगा। पिछले कुछ दिनों से यात्रियों की प्रतिक्रिया पर नजर रखी जा रही है। मांग बढ़ने पर मेन्यू में अन्य व्यंजन भी शामिल किए जाएंगे। आरके फूड प्रोडक्ट कंपनी के मैनेजर मोहित सिकरबार ने बताया कि 25 जून से आनलाइन आर्डर पर ट्रेन में सीट तक भोजन पहुंचाने की सुविधा शुरू करने की तैयारी है। यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण, ताजा और किफायती भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उनकी पसंद और मांग के अनुसार आगे मेन्यू का विस्तार भी किया जाएगा। 80 रुपये में वेज व एग बिरयानी भी मिलेगी- मसाला डोसा 50 रुपये, वेज व एग बिरयानी 80 रुपये, छोले-चावल और राजमा-चावल 50-50 रुपये, छोले-भटूरे 50 रुपये तथा दो कचौड़ी 20 रुपये में मिलेंगी। यात्रियों के लिए बिस्किट, चिप्स, नमकीन, लस्सी, छाछ, समोसा, कोल्ड ड्रिंक, नींबू पानी, जीरा पानी, रेल नीर, केक, पेटीज और मैगी कप जैसे अन्य उत्पाद भी रखे गए हैं। 15 रुपये में मिलेगा ताजा जनता खाना- रेलवे के लोकप्रिय 'जनता खाना' को नए स्वरूप में उपलब्ध कराने की तैयारी है। 15 रुपये में मिलने वाले भोजन में सात पूड़ी, आलू की सब्जी और अचार दिया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

योग से स्वस्थ बरेली का संकल्प, मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने किया योग सप्ताह का शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / स्पोर्ट्स स्टेडियम में गूंजा योग का संदेश, 21 जून को होगा वृहद सामूहिक योगाभ्यास बरेली। बारहवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बरेली स्पोर्ट्स स्टेडियम में योग सप्ताह का शुभारम्भ प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन एवं पर्यावरण डॉ. अरुण कुमार ने भगवान धन्वंतरि एवं महर्षि पतंजलि के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया। योग सप्ताह के तहत 15 से 20 जून तक सामूहिक योगाभ्यास, योगासन, चित्रकला, स्लोगन प्रतियोगिता व योग सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। वहीं 21 जून को स्पोर्ट्स स्टेडियम में विशाल सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम होगा। मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि योग को केवल एक दिन के आयोजन तक सीमित न रखें, बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। नियमित योग से शरीर स्वस्थ और मन सकारात्मक रहता है। सांसद छत्रपाल गंगवार ने कहा कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो पूरे विश्व को स्वस्थ जीवन का संदेश दे रही है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि योग शरीर, मन और आत्मा के संतुलन की जीवन पद्धति है। कार्यक्रम में सांसद छत्रपाल गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, विधायकगण, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, सीडीओ सहित अन्य अधिकारीगण बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बरेली पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, एसएसपी ने किए दरोगाओं को इधर से उधर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में पुलिस की कार्यशैली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एसएसपी अनुराग आर्य जिले में बड़े स्तर पर दरोगाओं के तबादले किए हैं। इसमें कुछ इंसपेक्टर भी इसमें शामिल हैं।तबादलों के क्रम में निरीक्षक पुलिस लाइन से धर्मेंद्र सिंह को थाना प्रेमनगर का इंस्पेक्टर अपराध बनाया गया है। वहीं मीरगंज से एसएसआई श्रीनिवास को थाना कैंट तथा उपनिरीक्षक पुनीत कुमार को थाना भुता से चौकी ढकिया डाम, शीशगढ़ में तैनाती दी गई है। उपनिरीक्षक रविराज पावड़िया को चौकी ढकिया डाम से चौकी चौराहा, कोतवाली तथा राजेंद्र सिंह को रिजर्व पुलिस लाइंस से जिला अस्पताल चौकी भेजा गया है। सुदीप बघेल को चौकी शाहबाद, प्रेमनगर और आशीष कुमार को थाना सीबीगंज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महिला उपनिरीक्षक अंजलि सिसौदिया को थाना भुता से महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी, बारादरी में तैनात किया गया है। वहीं उपनिरीक्षक गोविंद सिंह को बेवल बसंतपुर चौकी से थाना भुता तथा सुरेंद्र सिंह को थाना आंवला भेजा गया है।रिजर्व पुलिस लाइंस में तैनात कई उपनिरीक्षकों को भी विभिन्न थानों में नियुक्त किया गया है। इनमें अवनीश कुमार सिंह को थाना प्रेमनगर, उमेश चंद को थाना बहेड़ी, गजेंद्र सिंह को थाना सिरौली, भोजराज सिंह को थाना अलीगंज, ऋषिपाल व परमीत कुमार को थाना आंवला तथा रमेश कुमार सैनी और उमेश चंद्र को थाना बारादरी भेजा गया है।इसके अलावा महेश सिंह को थाना बहेड़ी, शंभूदयाल भार्गव को थाना फरीदपुर, रामकुमार शर्मा को थाना नवाबगंज, देवेश कुमार को थाना किला, जीत सिंह को थाना देवरनियां, यतेन्द्र पाल सिंह को थाना बिथरी चैनपुर, लोकेश कुमार को थाना बारादरी, तेजपाल सिंह को थाना बहेड़ी, आजाद सिंह को थाना क्योलड़िया, उपदेश कुमार को थाना मीरगंज तथा अमरेश कुमार को थाना देवरनियां में नई तैनाती दी गई है।

श्यामगंज फ्लाईओवर पर हुआ हादसा: चाइनीज मांझे से कटी गन्ना मंत्री के भतीजे की गर्दन हालत नाजुक

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को शहर के व्यस्त श्यामगंज फ्लाईओवर पर हुए एक दर्दनाक हादसे में प्रदेश के गन्ना मंत्री संजय गंगवार के भतीजे और ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार के 15 वर्षीय पुत्र वीर सिंह गंगवार गंभीर रूप से घायल हो गए। चाइनीज मांझे की चपेट में आने से उनकी गर्दन कट गई। आनन-फानन में उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां आईसीयू में उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वीर सिंह रविवार को अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी से स्पोर्ट्स स्टेडियम जा रहे थे। जैसे ही वह बारादरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत श्यामगंज फ्लाईओवर से गुजर रहे थे, अचानक हवा में झूलता हुआ एक धारदार चाइनीज मांझा उनके गले में उलझ गया। रफ्तार में होने के कारण मांझे से उनकी गर्दन पर गहरा घाव हो गया और वह स्कूटी से संतुलन खोकर सड़क पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें संभाला और परिजनों व पुलिस को घटना की सूचना दी।

अस्पताल पहुंचे गन्ना मंत्री, उठाए सवाल- हादसे की खबर मिलते ही गन्ना मंत्री संजय गंगवार पीलीभीत से तुरंत बरेली पहुंचे। उन्होंने अस्पताल जाकर भतीजे का हालचाल जाना और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम से उपचार को लेकर चर्चा की। इस दौरान मंत्री संजय गंगवार ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा, जब सरकार द्वारा चाइनीज मांझे पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है, तो फिर यह बाजारों में कैसे बिक रहा है? उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। पुलिस ने शुरू की छापेमारी और जांच- घटना की गंभीरता को देखते हुए बारादरी थाना पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने प्रतिबंधित मांझा बेचने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस की टीमें आसपास के बाजारों और पतंग की दुकानों पर जानकारी जुटा रही हैं ताकि अवैध बिक्री के नेटवर्क को ध्वस्त किया जा सके।

सेटेलाइट तिराहे पर बनेगा वाई शेप पुल, डीपीआर तैयार : जाम से मिलेगी निजात

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / रेली। सेटेलाइट तिराहे पर जाम की समस्या से जूझ रहे राहगीरों को राहत देने के लिए बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) वाई शेप फ्लाईओवर का निर्माण कराने की तैयारी में है। इसके लिए बीडीए ने उत्तर प्रदेश सेतु निगम से डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करवाकर शासन को भेज दी है। बरेली दौरे पर आ रहे मुख्यमंत्री की ओर से इसकी घोषणा होने की संभावना है। इस नए फ्लाईओवर पर करीब 70 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

बीडीए की ओर से चार अप्रैल 2026 को फ्लाईओवर की डीपीआर तैयार करने के लिए सेतु निगम को पत्र लिखा गया था। सेतु निगम ने ईसाइयों की पुलिया से शाहजहांपुर रोड पर उतरने वाले पुल की कुल लंबाई 801 मीटर प्रस्तावित की है। इसमें श्यामगंज की तरफ 348.90 मीटर जबकि शाहजहांपुर की ओर 168 मीटर हिस्सा रहेगा।

एप्रोच रोड की बात करें तो इसकी कुल लंबाई 285.45 मीटर होगी। इसमें श्यामगंज की तरफ 144 मीटर जबकि शाहजहांपुर की तरफ 141.45 मीटर हिस्से का निर्माण होगा। सेटेलाइट तिराहे से पीलीभीत रोड पर उतारे जाने वाले पुल की लंबाई 337 मीटर होगी। इसमें 145 मीटर की एप्रोच रोड भी शामिल है। तिराहे पर रोज लगता है जाम इस फ्लाईओवर की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही है। सेटेलाइट तिराहे पर सुबह से देर रात तक जाम लगा रहता है। यहीं से पीलीभीत, लखनऊ, शाहजहांपुर, कानपुर, फर्रुखाबाद, टनकपुर, अलीगढ़, मुरादाबाद, गाजियाबाद, दिल्ली जाने वाले वाहन गुजरते हैं। बीडीए के सहायक अभियंता संदीप कुमार ने बताया कि सेटेलाइट तिराहे पर वाई शेप फ्लाईओवर के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इस पर 70 करोड़ रुपये खर्च आने की संभावना है। इसके बन जाने से सेटेलाइट तिराहा, ईसाइयों की पुलिया पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। प्रस्ताव जल्द स्वीकृत होने की उम्मीद है।फ्लाईओवर के ऊपर से गुजरेगी मेट्रो शहर में मेट्रो के संचालन के लिए रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस (राइट्स) की ओर से डीपीआर तैयार किया जा रहा है। बीडीए ने वाई शेप फ्लाईओवर पर काम शुरू किया तो पहले राइट्स की ओर से आपत्ति करने की आशंका जताई गई, लेकिन इस पर चर्चा होने के बाद बीडीए ने आखिरकार प्रस्ताव आगे बढ़ा दिया। राइट्स की ओर से भी इस पर कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई।

धमकी देकर दुष्कर्म व अश्लील वीडियो वायरल करने के वाले आरोपी कैंट पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना कैंट पुलिस ने महिला को धमकाने, दुष्कर्म, अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देने और जबरन ले जाने के प्रयास के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ थाना कैंट में मुकदमा संख्या 198/26 धारा 69/352/351(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज था । पुलिस ने बताया कि 14 जून को मुखबिर की सूचना पर उपनिरीक्षक रोहित तोमर के नेतृत्व में टीम ने सैटेलाइट बस स्टैंड क्षेत्र में दबिश दी। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे आरोपी को सैटेलाइट पुल के पास से पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुजीब कुरैशी पुत्र इकबाल कुरैशी निवासी पीलीभीत के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह कैंट क्षेत्र में किराये पर रहता था और पीड़िता से उसकी जान-पहचान हुई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी थाना भूता और कैंट में मुकदमे दर्ज हैं। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय धीर, उपनिरीक्षक रोहित तोमर सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

रेत माफियाओं पर करैरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध रेत से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी/करैरा। जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत करैरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रेत से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। जब्त वाहनों के विरुद्ध खनिज अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई कर प्रकरण अग्रिम कार्रवाई हेतु खनिज विभाग शिवपुरी को भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थ, जुआ, सट्टा, अवैध हथियार, अवैध खनन एवं शराब के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना करैरा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि झंडा एवं गदाई गांव के बीच सड़क किनारे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध बजरी से भरे खड़े हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली ओवरलोड बजरी (रेत) से भरे मिले। पुलिस को देखकर चालक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने उनकी तलाश की, लेकिन वे नहीं मिले। इसके बाद एक लाल रंग का स्वराज 855 ट्रैक्टर तथा एक नीले रंग का न्यू हॉलैंड 3630 ट्रैक्टर मय ट्रॉली को विधिवत जब्त कर लिया गया। दोनों ट्रॉलियों में क्षमता से अधिक रेत भरी हुई थी। पुलिस ने दोनों वाहनों एवं उनके स्वामियों के विरुद्ध खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए मामला खनिज विभाग को सौंप दिया है।मले में आरोपियों की तलाश जारी है। रक्षक सोनू श्रीवास्तव एवं आरक्षक रामअवतार गुर्जर की सराहनीय भूमिका रही।

गौ सम्मान यात्रा में गूंजा संकल्प, गौमाता को मिले राष्ट्रीय माता का दर्जा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सोमवार सुबह श्री हरि मंदिर मॉडल टाउन से गौ सम्मान मोटरसाइकिल यात्रा निकाली गई। परम पूज्य श्री प्रेम निधि जी महाराज के सानिध्य में निकली यात्रा पूरे शहर में भ्रमण के बाद श्री हरि मंदिर पर संपन्न हुई। यात्रा में शामिल गौ सेवकों ने एक स्वर में गौमाता को राष्ट्रीय माता घोषित करने की मांग उठाई। समापन अवसर पर महाराज जी ने सभी श्रद्धालुओं को अपने हाथों से ठंडा मीठा शरबत और कड़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया। इस दौरान श्री प्रेम निधि जी महाराज ने कहा कि गौ रक्षा के लिए सभी सनातनियों को एकजुट होना होगा, तभी आवाज प्रभावी रूप से सरकार तक पहुंचेगी। वहीं श्री हरि मंदिर सेवा ट्रस्ट समिति के सचिव रवि छाबड़ा ने कहा कि सनातनी समाज अपनी मांगों के लिए संघर्ष करेगा और गौमाता को राष्ट्रीय माता घोषित कराने की दिशा में प्रयास जारी रखेगा। यात्रा में रवि छाबड़ा, धीरज सेठी, वीपी मिश्रा, कमल बंगा, अजय कक्कड़ सहित बड़ी संख्या में गौ सेवक मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पत्नी गई मायके, पति का शव फंदे से लटका मिला : छह साल पहले हुआ था प्रेम विवाह

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । कैंट थाना क्षेत्र के चनहेटा गांव निवासी 28 वर्षीय रंजीत बाल्मीकि का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पुलिस ने प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला बताया है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात पत्नी से झगड़े के बाद रंजीत ने आत्महत्या कर ली थी। कैंट थाना प्रभारी संजय धीर ने बताया कि रंजीत बाल्मीकि बरेली क्लब में संविदा पर काम करता था। वह चनहेटा गांव का निवासी था। उसने वर्ष 2020 में दीपा से प्रेम विवाह किया था। उसके दो बच्चे हैं, जिनमें छह साल का लड्डू और चार साल का मटरू शामिल हैं। झगड़े के बाद पत्नी चली गई थी मायके - पुलिस जांच के अनुसार शनिवार रात नौ बजे रंजीत का अपनी पत्नी दीपा से झगड़ा हुआ था। दीपा ने आरोप लगाया था कि रंजीत किसी और महिला से बात करता है। झगड़े के बाद दीपा बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई थी। इसके बाद रंजीत भी गुस्से में घर से निकल गया था। रविवार रात रंजीत का शव गांव से कुछ दूर पचपेड़ा लाइन के पास जंगल में एक पेड़ से गमछे के सहारे लटका मिला। सूचना मिलने पर कैंट थाना पुलिस पहुंच गई। पुलिस को शव के पास से उसका मोबाइल फोन भी मिला है। पुलिस का कहना है कि जांच में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जिला अस्पताल की ओपीडी में उमड़ी मरीजों की भीड़, लगी लंबी कतार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मौसम में हो रहे उतार-चढ़ाव के चलते बुखार का हमला फिर बढ़ गया है। जिला अस्पताल की ओपीडी में सोमवार को मरीजों की खासी भीड़ रही। ओपीडी, पर्चा काउंटर और फार्मेसी में मरीजों की लंबी लाइन लगी रही। फिजिशियन के कक्ष के बाहर महिलाओं की संख्या अधिक रही। बुखार के साथ ही पेट दर्द, जलन जैसी परेशानी के मरीज बढ़ गए हैं। जिला अस्पताल के डॉक्टर राहुल वाजपेई ने बताया कि बीते कई दिनों से तापमान में उतार चढ़ाव हो रहा है। इसके चलते शरीर को सामंजस्य बनाने में परेशानी हो रही है।

IIA के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर दिनेश गोयल का भव्य सम्मानर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ द्वारा उद्योगपति एवं समाजसेवी दिनेश गोयल के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। दिनेश गोयल को इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (IIA) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर पुन: निर्वाचित होने पर सम्मानित किया गया। कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि ii का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद उद्योग जगत की सेवा, एकता और विकास की जिम्मेदारी है। उनके नेतृत्व में उद्योगों को नई दिशा मिलेगी। क्लब अध्यक्ष संजीव खंडेलवाल ने कहा कि दिनेश गोयल का पुन: राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना रोटरी क्लब और बरेली के लिए गौरव का विषय है। दिनेश गोयल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के विकास और उद्यमियों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा- आओ संकल्प लें, उद्योग बढ़ाएंगे और विकसित भारत बनाएंगे। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल सहित रोटरी क्लब के पदाधिकारी, सदस्य एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह का भव्य शुभारंभ, स्वस्थ व निरोगी जीवन का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ जनपद जालौन में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योग सप्ताह कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ राजकीय मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी एवं जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं तथा नागरिकों को योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे आज संपूर्ण विश्व ने अपनाया है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। उन्होंने सभी से नियमित योग करने तथा परिवार व समाज के अन्य लोगों को भी योग के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि योग स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली, कार्यदबाव और बढ़ते तनाव के बीच योग व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के दौरान जनपद के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर योग से संबंधित विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ा जा सके।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित योगाचार्यों द्वारा योगाभ्यास एवं प्राणायाम का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। योगाचार्यों ने विभिन्न योगासनों के लाभ बताते हुए नियमित अभ्यास से होने वाले सकारात्मक प्रभावों की जानकारी दी। उपस्थित प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया और स्वस्थ, संतुलित एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, विभिन्न विभागों के कर्मचारी, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य जनपदवासियों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक सशक्त पहल करना रहा।

नाले में 12 साल के बालक को दबोच ले गया मगरमच्छ, 20 घंटे बाद भी नहीं चला पता, तलाश जारी

लखीमपुर खीरी के ईसानगर क्षेत्र में रविवार शाम एक मगरमच्छ 12 वर्षीय बालक को दहौरा नाले में खींच ले गया। सोमवार दोपहर तक बालक का पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों में आक्रोश है।लखीमपुर खीरी के ईसानगर क्षेत्र में रविवार शाम मगरमच्छ 12 वर्षीय बालक को नाले में खींच ले गया। यह घटना दहौरा नाले के किनारे हुई, जहां बालक भैंस चरा रहा था। सोमवार दोपहर तक बालक का पता नहीं चल सका है। घटना के बाद से बालक के

परिवार में कोहराम मचा है। भट्ठापुरवा गांव निवासी प्रताप का पुत्र लालमन रविवार दोपहर बाद दहौरा नाले के पास भैंस चराने गया था। शाम के वक्त वह शौच के लिए नाले के करीब पहुंचा, तभी मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया। मगरमच्छ बालक को पानी में खींच ले गया और देखते ही देखते गायब हो गया। घटना के समय मौजूद छह वर्षीय बालक ने गांव पहुंचकर परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ईसानगर थानाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह और वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने प्रत्यक्षदर्शी बालक से घटना की जानकारी ली।ग्रामीणों में आक्रोश

घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर मगरमच्छ को पकड़ने की मांग की। उन्होंने क्षेत्र में बढ़ते वन्यजीवों के आतंक पर प्रभावी कार्रवाई की भी मांग की। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच गहमागहमी हुई। बाद में थानाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह ने ग्रामीणों को समझाकर स्थिति शांत कराई। एक सप्ताह में दूसरी घटना-यह एक सप्ताह के भीतर वन्यजीवों के हमले की दूसरी बड़ी घटना है। एक सप्ताह पूर्व रायपुर गांव के रोशनीपुरवा में तेंदुए के हमले में सात वर्षीय बालक की मौत हो गई थी। इन घटनाओं से ग्रामीणों में भय और आक्रोश बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियों के बावजूद कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। सोमवार सुबह वन विभाग की टीम पुलिस के साथ दहौरा नाला पहुंची। टीम ने नाले और आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। वन कर्मी लगातार निगरानी करते हुए बालक की तलाश में जुटे रहे

हाथियों के झुंड ने राहगीर को पैरों तले रौंदकर मार डाला, कुचल दिया चेहरा, दूर तक पड़े मिले शव के टुकड़े

कार्बेट टाइगर रिजर्व के वनों से हाथियों का झुंड लगातार आम के बागों की तलाश में निकल रहा है। नई कॉलोनी में हाथियों ने करीब 55 साल के व्यक्ति को अपना शिकार बना लिया। चेहरा कुचला होने से मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। कालागढ़ में कार्बेट टाइगर रिजर्व के वनों से निकलकर नई कॉलोनी में आए हाथियों ने रविवार रात एक राहगीर को पैरों तले कुचलकर मार डाला। राहगीर के शव के टुकड़े दूर तक छिटके पड़े थे। मृतक की पैंट की जेब में कुछ रोटियां मिली हैं। उसकी पहचान नहीं हो सकी। माना जा रहा है कि वह कोई मानसिक बीमार व्यक्ति था।रविवार रात लगभग दस बजे नई कॉलोनी में वन विभाग का गश्ती दल रामगंगा भवन के पीछे शिव मंदिर के निकट सड़क से निकला तो वहां एक व्यक्ति का कुचला हुआ शव पड़ा मिला। सूचना पर वन क्षेत्राधिकारी एनके रूवाली और पुलिस अधिकारी संजीव कुमार ममगई टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव का चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था। हाथ-पांव टूटे हुए और जगह-जगह मांस के टुकड़े बिखरे हुए थे। रक्तरंजित चप्पल व पैंट लगभग 20 मीटर दूर पड़ी हुई थीं। पैंट की जेब में कुछ रोटियां मिली हैं।हाथियों ने बहुत ही दुर्दांत तरीके से राहगीर को कुचला है। मृतक की आयु लगभग 55 वर्ष होने का अनुमान लगाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मृतक कालागढ़ का रहने वाला नहीं है। वह केंद्रीय कॉलोनी में घूमता देखा गया था। वहां से रविवार को नई कॉलोनी में पहुंच गया। हो सकता है कि वह शिव मंदिर की ओर चला गया हो और वहां हाथियों के सामने आ गया।कार्बेट टाइगर रिजर्व में मौजूद 1224 एशियाई हाथी कालागढ़ में हाथियों के आबादी में आने और जनता की सुरक्षा को लेकर अमर उजाला लगभग एक सप्ताह से चेता रहा है। इसके बावजूद प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाए। इसका नतीजा यह हुआ कि एक राहगीर को अपनी जान गंवानी पड़ी। कार्बेट टाइगर रिजर्व में एशियाई प्रजाति के 1224 हाथी मौजूद हैं। रामगंगा नदी से कोसी नदी तक का गलियारा इनके विचरण का खास इलाका है। कार्बेट टाइगर रिजर्व की कालागढ़ रेंज में हाथी रामगंगा बांध, सैडिल बांध, लकड़घाट, हनुमान मंदिर, सूखास्रोत, नई कॉलोनी में इंटर कॉलेज से हाइडिल कॉलोनी तक सक्रिय हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह का भव्य शुभारंभ, स्वस्थ एवं निरोगी जीवन का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योग सप्ताह कार्यक्रम का जनपद जालौन में भव्य शुभारंभ राजकीय मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी व जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों को योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। उन्होंने सभी से नियमित योग करने एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि योग स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली एवं बढ़ते तनाव के बीच योग व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के दौरान जनपद के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर योग संबंधी विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ा जा सके।

कार्यक्रम में प्रशिक्षित योगाचार्यों द्वारा योगाभ्यास एवं प्राणायाम का प्रदर्शन किया गया तथा उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासनों के लाभों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, विभिन्न विभागों के कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मना किया था, नहीं माना, मैं बैठा रहा तुम चले गए, पिता ने अवनीश को दी थी ये सलाह; कुछ देर में सब खत्म

मंधना फ्लाईओवर की सर्विस लेन पर पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर

बुरा हाल है।मंधना फ्लाईओवर की सर्विस लेन पर उलटी दिशा में पिकअप की टक्कर से जान गंवाने वाले अवनीश यादव की मौत से गमगीन पिता बाबादीन ने कहा कि तेज धूप में अवनीश बच्चों को लेकर दूध लेने आए थे। उन्होंने उनसे कहा था कि अभी बच्चों को आराम करने दो चार बजे धूप कम होने पर चले जाना लेकिन वह नहीं माना...।कुछ ही देर बाद हादसे में मौत की सूचना आ गई। बिलखते हुए उन्होंने गुस्से में हैलट इमरजेंसी में फर्श पर फोन पटककर तोड़ डाला। उन्होंने बेटे का शव देखते कहा कि मैं बैठा रहा और तुम आंखों के सामने चले गए। सब कुछ खत्म हो गया। इस पर सभी ने उन्हें बिलख रहे परिवार के अन्य लोगों का सहारा बनने के लिए समझाया। बोले कि अपने हाथों से मासूम बच्चों को दूध पिलाकर भेजा... ये क्या हो गया।अवनीश बुला रहे हैं... कह रहे मम्मी आ जाओ- हादसे की सूचना पर मां संजय देवी जैसे ही बहू अर्चना और बबिता के साथ हैलट पहुंचीं और अवनीश को मृत घोषित पाया तो चीख-पुकार मच गई। हैलट परिसर के फर्श पर तीनों लिपट-लिपटकर बिलखती रहीं। इस दौरान वहां का नजारा देख मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। महिला सुरक्षाकर्मियों ने तीनों को संभाला। इस दौरान वह लोग बार बेहोश हो जा रही थीं। मुंह पर पानी डालकर होश में लाया जा रहा था। मां संजय होश में आने पर चिल्लाते हुए बोल रहीं थीं कि अवनीश बुला रहे हैं, कह रहे हैं, मम्मी आ जाओ..उन्हें जाने दोमुंह से सांस देने के लिए बुलाया जितेंद्र का बेटा हरिओम उर्फ अनुभव नाजुक हालत में खून से लथपथ हैलट लाया गया। जितेंद्र ने जैसे ही माइनर ओटी में उसकी दशा देखी तो फफक पड़े। सांस उखड़ने पर उसे ऑक्सीजन लगाई गई लेकिन वह बेटी की हालत देख पत्नी और मां को बेटे को सांस देने के लिए बुलाकर ले गए। वहां का नजारा देख डॉक्टर, कर्मचारी से लेकर तीमारदारों के आंखों में आंसू आ गए। घटनास्थल का एक 18 सेकंड का वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसमें चिलचिलाती धूप में तपते हाईवे पर चारों बच्चे और बाइक सवार अवनीश दूर-दूर पड़े थे। उलटी दिशा में रोजाना हो रहे हादसे- शहर के सचेंडी, पनकी, बर्रा, नौबस्ता, चकेरी, महाराजपुर हाईवे, रामादेवी से आईआईटी मार्ग तक रोजाना सैकड़ों की संख्या में उलटी दिशा में पिकअप, लोडर, ऑटो, ई-रिक्शा फर्राटा भरते हुए आसानी से देखने को मिल जाएंगे। ट्रैफिक पुलिस भी कोई भी हादसा हो जाने पर ही चेतते हुए धड़ाधड़ कार्रवाई करना शुरू करती है।

संक्षिप्त समाचार

लहार के भाजपा विधायक अम्बरीश शर्मा गुड्डू की माता जी का निधन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता लहार पहुंचे दी श्रद्धांजलि कोंच(जालौन)। भारतीय जनता पार्टी के नेता और कोंच नगर पालिका

परिषद के अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता जिला भिंड की लहार विधान सभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक अम्बरीश शर्मा उर्फ गुड्डू शर्मा के लहार स्थित आवास पर पहुंचे जहां उन्होंने विधायक अम्बरीश शर्मा गुड्डू की परम पूज्य माता श्री मति अरुणा शर्मा के आकस्मिक निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की और उनके चित्र पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर भाजपा नेता ठेकेदार आनंद सकेरे मनीष कुमार नगरिया सहित कई लोग मौजूद रहे।

घरेलू कलह और बीमारी से परेशान दो युवकों ने फंदा लगा की खुदकुशी

कानपुर के बर्रा और रेलबाजार थाना क्षेत्रों में रविवार देर रात दो युवकों ने फंदा लगा खुदकुशी कर ली। बर्रा के विश्व बैंक निवासी राजेश कुमार शर्मा (52) पेशे से पेंटर थे। परिवार में पत्नी ममता और एक विवाहित बेटी निकिता हैं। परिजन के अनुसार राजेश शराब पीने के आदी थे। इसे लेकर रविवार रात उनका अपनी पत्नी से विवाद हुआ। इसके बाद उन्होंने फंदा लगा जान दे दी। वहीं, रेलबाजार थाना क्षेत्र के चंदारी निवासी दानिश अनवर (36) सिलाई कारीगर थे।उनके भाई फैज ने बताया कि दानिश पिछले 15 वर्षों से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे और उनका इलाज हैलट में चल रहा था। इसी से ऊबकर रविवार देर रात उन्होंने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रेलबाजार इंस्पेक्टर अमान सिंह ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कड़े के लालच में दोस्त बना कातिल- पहले सिर में मारे डंडे, जिंदा न बचे तो बाइक से पेट्रोल डालकर जला डाला

पूछताछ में आरोपी ने हत्या की पूरी वारदात कबूल कर ली। पुलिस के मुताबिक मृतक हुजैफ और आरोपी शहजाद आपस में घनिष्ठ मित्र थे और दोनों नशा करने के आदी थे। हुजैफ नया मोबाइल फोन खरीदना चाहता था और एयर कंडीशनर का काम शुरू करने के लिए पैसों की जरूरत थी।ग्रेटर नोएडा स्थित कासना कोतवाली क्षेत्र में मिले एसी मैकेनिक के जले हुए शव की गुत्थी को पुलिस ने तीन दिन के भीतर सुलझाते हुए उसके ही दोस्त को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान शहजाद उर्फ बिट्टू (19) निवासी गांव दौला राजपुर के रूप में हुई है। आरोपी ने सोने के कड़े हड़पने की नीयत से अपने मित्र की बेरहमी से हत्या कर दी और बाद में शव को जलाकर उसकी पहचान मिटाने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त खून से सना डंडा, तीन पीली धातु के कड़े और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है।हुजैफ के तौर पर हुई मृतक की पहचान

डीसीपी ग्रेटर नोएडा प्रवीण रंजन सिंह ने बताया कि 12 जून को गांव चीरसी की नहर के पास एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ था। शव आंशिक रूप से जला हुआ था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। बाद में मृतक की पहचान दनकौर थाना क्षेत्र के दौला राजपुर निवासी 23 वर्षीय हुजैफ पुत्र मुज्जमिल के रूप में हुई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने मामले के खुलासे के लिए तीन अलग-अलग टीमों का गठन किया था। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, इलेक्ट्रॉनिक और भौतिक साक्ष्य जुटाए और मृतक के संपर्कों की पड़ताल की। इसी क्रम में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिनके आधार पर सोमवार को शहजाद उर्फ बिट्टू निवासी दौला राजपुर को गिरफ्तार कर लिया गया।जैफ और आरोपी शहजाद थे करीबी दोस्त- पूछताछ में आरोपी ने हत्या की पूरी वारदात कबूल कर ली। पुलिस के मुताबिक मृतक हुजैफ और आरोपी शहजाद आपस में घनिष्ठ मित्र थे और दोनों नशा करने के आदी थे। हुजैफ नया मोबाइल फोन खरीदना चाहता था और एयर कंडीशनर का काम शुरू करने के लिए पैसों की जरूरत थी। परिवार वालों द्वारा पैसे नहीं दिए जाने पर उसने कथित तौर पर अपनी मां के चार पीली धातु के कड़े चोरी कर लिए थे। उसने इन कड़ों को बेचने की बात अपने दोस्तों और शहजाद को भी बताई थी।कड़े बिकवाने का दिया था झांसा- इसी जानकारी के बाद आरोपी की नीयत कड़ों पर खराब हो गई। 12 जून को उसने हुजैफ को कड़े बिकवाने का झांसा दिया और अपनी बाइक पर बैठाकर साथ ले गया। रास्ते में दोनों ने नशा किया। इसके बाद आरोपी उसे सुनसान स्थान की तलाश करते हुए चंद्रावल गांव के पास नहर किनारे ले गया। वहां पहुंचने के बाद शहजाद ने मौका देखकर डंडे से हुजैफ के सिर पर हमला कर दिया। पहले वार से वह जमीन पर गिर पड़ा। जिसके बाद आरोपी ने उसके ऊपर कई बार डंडे से प्रहार किए। गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी कड़े लेकर वहां से भाग निकला।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
16 June 2026

पुलिस ने 28 लाख के 125 खोए मोबाइल बरामद किए: फर्रुखाबाद में पीड़ितों को वापस मिले उनके खोए हुए फोन

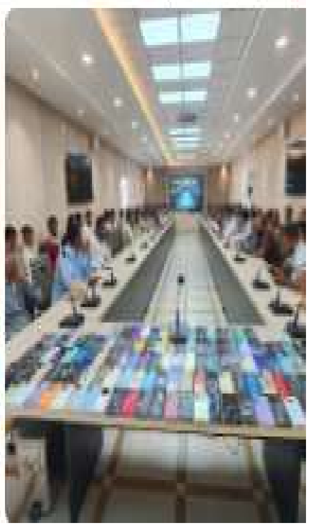

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद पुलिस ने 28 लाख रुपये मूल्य के 125 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित एक प्रेस वार्ता में एसपी आरती सिंह ने यह जानकारी दी। इस दौरान बरामद मोबाइल फोन उनके मालिकों को वापस सौंपे गए। ये मोबाइल फोन जनपद के विभिन्न लोगों के थे, जिनकी गुमशुदगी की शिकायतें पीड़ितों ने पोर्टल के माध्यम से दर्ज कराई थीं। पुलिस की सर्विलांस टीम ने इन शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए इन फोनों को ट्रैक कर बरामद किया। बरामद किए गए कुल 125 मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत 28 लाख रुपये है। सोमवार को पीड़ितों को पुलिस लाइन में बुलाया गया, जहां एसपी ने व्यक्तिगत रूप से उनके फोन वापस किए। कई पीड़ितों के मोबाइल 6 महीने से लेकर 1 साल पहले तक खो गए थे। एसपी आरती सिंह ने बताया कि फतेहगढ़ पुलिस द्वारा बरामद किए गए ये 125 मोबाइल फोन आज सभी को लौटाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि सभी खोए हुए मोबाइल फोन समय रहते उनके मालिकों को वापस मिल सकें।

सोमवती अमावस्या पर गंगा में आस्था की डुबकी:

फर्रुखाबाद में 20 हजार श्रद्धालुओं ने किया स्नान, सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी / फर्रुखाबाद में सोमवती अमावस्या के अवसर पर सोमवार को गंगा घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 11 बजे तक लगभग 20,000 श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और मन्नतें मांगीं।

पांचाल घाट गंगा तट पर रविवार देर रात से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। सोमवार सुबह तीन बजे से शुभमुहूर्त में श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। इस दौरान मां गंगा की आराधना कर हवन-पूजन भी किया गया। कई श्रद्धालुओं ने अपने पूर्वजों के नाम की भगत बजवाई।

गंगा तट मां गंगा के जयकारों से गूंज उठे। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गंगा किनारे लगे मेले में खरीदारी का लुत्फ उठाया। महिला श्रद्धालुओं ने अपनी जरूरत का सामान खरीदा और बच्चों के लिए खिलौने भी लिए। श्रद्धालु अपने निजी वाहनों के अलावा बसों और टेंपो से भी गंगा तट पर पहुंचे। पक्के घाट के साथ-साथ गंगा के दूसरी ओर दुर्वासा ऋषि आश्रम के पास भी स्नान जारी रहा।

इस विशेष पर्व पर मैनपुरी, एटा, इटावा, औरैया, हरदोई, शाहजहांपुर, बदायूं, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी जैसे जनपदों के साथ-साथ मध्य प्रदेश के भिंड और ग्वालियर से भी श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए फर्रुखाबाद आते हैं। सोमवार को भी इन क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे।

पांचाल घाट पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रत्येक घाट पर महिला और पुरुष पुलिसकर्मी तैनात रहे। वे श्रद्धालुओं को गहरे पानी में न जाने के लिए जागरूक करते दिखे। गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग भी की गई थी। मऊदरवाजा थानाध्यक्ष अजब सिंह अपनी टीम के साथ नाव पर सवार होकर लाउडस्पीकर से श्रद्धालुओं से गहरे पानी में न जाने की अपील कर रहे थे।

जनपद लखीमपुर खीरी के गोला गोकरणनाथ से करीब 130 किलोमीटर चल कर आए श्रद्धालु अनिल ने बताया कि गंगा स्नान हो गया है। यहां पर बहुत अच्छी व्यवस्था है, बड़ा अच्छा लगा, यहां की व्यवस्था अच्छी है।जनपद मैनपुरी से आए श्रद्धालु दिनेश सिंह ने बताया कि हमारी माताजी, पत्नी और परिवार के लोगों के साथ ही करीब 30 लोग गंगा स्नान करने आए हैं। बताया कि घाट पर बहुत बढ़िया व्यवस्था है पुलिस भी लगी हुई है, बताया कि सुरक्षा के लिए यहां पर पुलिस के वॉलिंटियर्स हैं जो गहरे पानी में लोगों को आगे नहीं जाने दे रहे हैं और घाट पर बेरीकेटिंग भी की गई है।

नोएडा से गंगा स्नान करने आईं मोना ने बताया की बहुत सालों बाद अधिमास (लौंद) के महीने में सोमवती अमावस्या पड़ी है इसीलिए गंगा स्नान करने आये हैं जिसका विशेष महत्व है। हरदोई से आए संत वीरपाल सिंह ने बताया अधिमास में सोमवती अमावस्या के दिन गंगा स्नान करने से सभी का कल्याण होता है।

बताया पितृ तर्पण पितरों की शांति के लिए दान, श्राद्ध कर्म और जल अर्पण करना आदि। पीपल की पूजा विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य के लिए पीपल के पेड़ की परिक्रमा और पूजा करती हैं। दान-पुण्य जरूरतमंदों को अपनी क्षमता के अनुसार अन्न, वस्त्र या अन्य आवश्यक चीजों का दान करना। सुबह 11-00 तक करीब 20000 श्रद्धालुओं ने यहां गंगा का स्थान किया।

जननी सुरक्षा योजना की खराब रैंकिंग पर प्रभारी मंत्री नाराज: फर्रुखाबाद में विकास कार्यों, कानून व्यवस्था की समीक्षा की; लाभार्थियों को सहायता वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी / फर्रुखाबाद में उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, फतेहगढ़ में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने जननी सुरक्षा योजना की खराब रैंकिंग पर नाराजगी व्यक्त की। बैठक में जनपद में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की स्थिति का गहनता से मूल्यांकन किया गया। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

समीक्षा बैठक के प्रारंभ होने से पूर्व, विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को सहायता सामग्री, स्वीकृति पत्र एवं अनुदान राशि के चेक वितरित किए गए।

कृषि विभाग ने एक किसान को 60 हजार रुपये की अनुदानित धनराशि से रोटावेटर, एक अन्य किसान को 5 लाख रुपये के अनुदान सहित किसान ड्रोन और एक तीसरे किसान को 75 हजार रुपये के अनुदान से स्ट्रॉ रीपर प्रदान किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत स्वयं सहायता समूहों को कुल 13.15 लाख रुपये के रिवॉल्विंग फंड के चेक वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत विकास खंड शमशाबाद की ग्राम पंचायत रम्पुरा निवासी लाभार्थी श्रीदेवी को आवास स्वीकृति पत्र दिया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत पांच लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए। मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड योजना के लाभार्थी मुकेश कुमार को भी चेक प्रदान किया गया। श्रम विभाग की कन्या विवाह योजना के एक लाभार्थी तथा शिशु हित लाभ योजना के तीन लाभार्थियों को सहायता राशि वितरित की गई। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने दो लाभार्थियों को श्रवण यंत्र (कान की मशीन) उपलब्ध कराए। राजस्व विभाग की मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत पांच लाभार्थियों को प्रति लाभार्थी पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि के चेक दिए गए, साथ ही पांच लाभार्थियों को घरौनी प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में खराब रैंकिंग पर जताई नाराजगी बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने पिछली समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की तथा मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में खराब प्रदर्शन करने वाली योजनाओं का परीक्षण किया। जननी सुरक्षा योजना की निम्न रैंकिंग पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए नव तैनात मुख्य चिकित्साधिकारी को आगामी माह में स्थिति में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि खराब प्रदर्शन करने वाले विभागों के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार लाया जाए। जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर दिए आवश्यक निर्देश अमृतपुर विधायक श्री सुशील कुमार शाक्य ने संकिसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बाउंड्रीवाल निर्माण एवं एमबीबीएस चिकित्सक की नियुक्ति की मांग उठाई, जिस पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कायमगंज विधायक डॉ. सुरभि ने आवास विकास क्षेत्र में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सड़कों की खुदाई के बाद रेस्टोरेशन कार्य लंबित होने की शिकायत की। प्रभारी मंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि 20 दिनों बाद स्वयं विधायक से संपर्क कर वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त करें तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। जल जीवन मिशन की गुणवत्ता की होगी जांच- प्रभारी मंत्री ने कहा कि कई स्थानों पर कार्यदायी संस्थाओं द्वारा ग्राम प्रधानों से रेस्टोरेशन कार्य पूर्ण हुए बिना ही कंप्लीशन सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर करा लिए जाते हैं। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि टीम गठित कर स्थलीय जांच कराई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि रेस्टोरेशन कार्य वास्तव में पूर्ण हुआ है। सड़क, निर्माण एवं आधारभूत परियोजनाओं पर विशेष जोर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को जनपद में निर्माणाधीन नई सड़कों की सूची जिलाधिकारी को उपलब्ध कराने तथा सभी स्वीकृत निर्माण कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराने के निर्देश दिए गए। बरेली-इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग-730सी की जांच में पाई गई कमियों को 30 जून तक दूर करने का आश्वासन परियोजना प्रबंधक द्वारा दिया गया, जिस पर प्रभारी मंत्री ने 30 जून के बाद जिलाधिकारी को टीम गठित कर स्थलीय निरीक्षण कराने के निर्देश दिए। वहीं बेवर से इटावा मार्ग पर मझोला नहर के निकट दो किलोमीटर अधूरे मार्ग को एक माह के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। बैंकों के निष्क्रिय खातों की होगी केवाईसी- प्रभारी मंत्री ने प्रभारी एलडीएम को निर्देशित किया कि नए एलडीएम की नियुक्ति तक वे स्वयं समीक्षा बैठकों में उपस्थित रहें। उन्होंने विगत दस वर्षों से निष्क्रिय बैंक खातों में जमा धनराशि लाभार्थियों तक पहुंचाने हेतु सूची उपलब्ध कराने तथा बीडीओ, तहसीलदार एवं ग्राम स्तरीय कर्मचारियों की सहायता से संबंधित व्यक्तियों की केवाईसी पूर्ण कराने के निर्देश जिलाधिकारी को दिए।

विद्युत, पर्यटन एवं स्वास्थ्य परियोजनाओं की समीक्षा- विद्युत विभाग को निर्देश दिए गए कि जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर नई कॉलोनियों में विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने हेतु प्रस्ताव तैयार किए जाएं। पांचाल घाट द्वितीय चरण परियोजना का कार्य टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 1 जुलाई से प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए। पर्यटन विभाग की योजनाओं के हस्तांतरण के बाद उनके समुचित रखरखाव की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के निर्देश जिलाधिकारी को दिए गए। कायमगंज विधायक की शिकायत पर गठवाया में निर्माणाधीन कस्तूरबा विद्यालय की गुणवत्ता की जांच कराने तथा मंडी परिषद, गन्ना विभाग, जिला पंचायत एवं अन्य विभागों की क्षतिग्रस्त सड़कों की सूची तैयार कर जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग को भेजने के निर्देश दिए गए। जिससे विकास योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में फर्रुखाबाद के अध्यक्ष जिला पंचायत, अमृतपुर, भोजपुर, सदर एवं कायमगंज के विधायकगण, भाजपा जिलाध्यक्ष, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भूमि विवादों के गंभीर मामलों में टास्क फोर्स समिति गठित, समयबद्ध निस्तारण होगा सुनिश्चित - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज कलेक्ट्रेट अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई कर दूर-दराज

क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, पुलिस, विकास, विद्युत, आपूर्ति, पेंशन, भूमि विवाद एवं अन्य विभागों से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसामान्य की शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी तथा प्रत्येक प्रकरण का मौके पर सत्यापन कर पीड़ित को न्याय दिलाया जाए। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त भूमि विवाद संबंधी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ऐसे मामलों, जिनमें बार-बार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं अथवा जिनमें राजस्व एवं पुलिस विभाग दोनों की संयुक्त जांच आवश्यक है, उनके त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के लिए टास्क फोर्स समिति गठित किया जाएगा। यह टीम मौके पर जाकर तथ्यात्मक जांच करेगी तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि भूमि कब्जा, पैमाइश, रास्ता विवाद, बैनामा संबंधी विवाद एवं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण जैसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

नदीगांव पुलिस ने चोरी की योजना बनाते समय दो चोरों को पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। आज कोंच सर्किल के थाना नदीगांव के प्रभारी निरीक्षक शशिकांत चौहान और उनकी पुलिस टीम अपराधियों की धरपकड़ हेतु चेकिंग कर रही थी तभी पुलिस टीम को चोरी की योजना बनाते हुये दो

चोरों को पकड़ लिया है जिनमें विनय शर्मा उर्फ सौरभ पुत्र कमलेश शर्मा उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम लोहई थाना नदीगांव और रिंकू शर्मा पुत्र राम कुमार शर्मा उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम लोहई थाना नदीगांव है पुलिस ने दोनों के के कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर दो अदद जिंदा कारतूस 315 बोर एक लोहे का सब्बल एक लोहे का चाकू एक अदद लोहे का कटर एक अदद लोहे का पिलास आदि बरामद हुए है पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा धारा 313 बीएनएस 3/25 और 4/25 आर्म्स एक्ट में दर्ज कर लिया गया है

संजीव कुमार तिवारी क्षेत्रीय वन अधिकारी कोंच बने , बोले - बुंदेलखंड को हरा भरा बनाया जावेगा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। आज कोंच में क्षेत्रीय वन अधिकारी के पद पर संजीव कुमार तिवारी ने कार्यालय आकर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है एक मुलाकात में नये क्षेत्रीय वन अधिकारी संजीव कुमार तिवारी ने बताया है कि वह बरेली जिले के मूल निवासी है इससे पहले वह उरई में

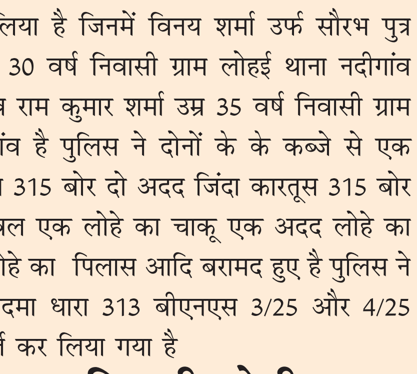

वन प्रभाग में थे अब उनकी क्षेत्रीय वन अधिकारी कोंच के पद पर तैनाती मिली है उन्होंने बताया है कि इससे पूर्व वह बदायूं पीलीभीत शाहजहाँ पुर और लखीमपुर खीरी में कार्य कर चुके है उन्होंने बताया है कि उनकी प्राथमिकता बुंदेलखंड को हरा भरा बनाने की है बताया गया है कि संजीव कुमार एक तेज तर्रार वन अधिकारी के रूप में जाने जाते है और विभाग में उनकी अच्छी छवि है उन्होंने बताया है कि जनपद में वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करने हेतु किये जा रहे कार्यों की निरंतर मानिटरिंग करते हुये वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाया जावेगा और शासन की मंशा अनुरूप कार्य किया जावेगा

An outbreak of a liver-causing infection in Patiala has claimed over 27 lives; learn how the disease spread.

The number of hepatitis A cases in the Dogra Mohalla area of ??Patiala has reached 27. The health department suspects contaminated drinking water and sewage-mixed water may be the primary cause of the infection. Several patients are hospitalized, while others are being monitored. Infectious diseases remain a serious concern for the country. In a report published in Amar Ujala, we reported on the Shigella and Nipah infections spreading in Kerala. Now, news is coming from Patiala, Punjab, where an alert is being issued regarding the increasing risk of hepatitis A infection. According to media reports, cases of this viral infection are being reported in the Dogra Mohalla area of ??Patiala. There are 27 suspected cases of jaundice and 10 confirmed cases of hepatitis A. Hepatitis A is a serious liver-threatening infection and increases the risk of liver failure. Health officials have been put on high alert since the cases surfaced. Officials stated that the affected area has approximately 243 households, with a population of over 1,119. Blood tests conducted on residents of the neighborhood revealed cases of hepatitis A, as well as one person with hepatitis E. It is believed that the infection spread due to contaminated water. Locals have been alerted about the disease and its risks. How did the hepatitis A infection spread? According to media reports, a new pipeline was installed in the area, but the old one was not removed. This led to the proliferation of illegal connections, allowing sewage to mix with drinking water. This pipeline had become damaged due to corrosion and leakage, leading to the contamination of drinking water. Punjab Health Minister Dr. Balbir Singh has blamed the Municipal Corporation and residents who had illegal water connections for the spread of the disease. Residents in the affected area allege that they have repeatedly complained to the Municipal Corporation about the contaminated water supply for several weeks, but no action has been taken. Children in the area have been suffering from jaundice for weeks, but no one came to their aid. The Mayor of Patiala stated that they took immediate action, and repair work had already begun in the area, which is why they were able to identify the cause of the outbreak so quickly. Dangers of the Hepatitis A Virus: Health experts consider the Hepatitis A virus to be extremely dangerous for health. It spreads through contaminated water and unsanitary food, as well as through contact with sewage. There's also a risk of the virus being transmitted from person to person. While most patients recover with timely treatment, in some cases, hepatitis A can become so severe that it can lead to liver failure, which can be fatal. The Hepatitis A virus attacks the liver, causing initial symptoms like jaundice and fever. Children may also experience severe fatigue, jaundice, vomiting, loss of appetite, and abdominal pain. The biggest danger is that many people ignore the initial symptoms, thinking they are a common viral fever. Due to this, the disease is detected late and the liver may be at risk.

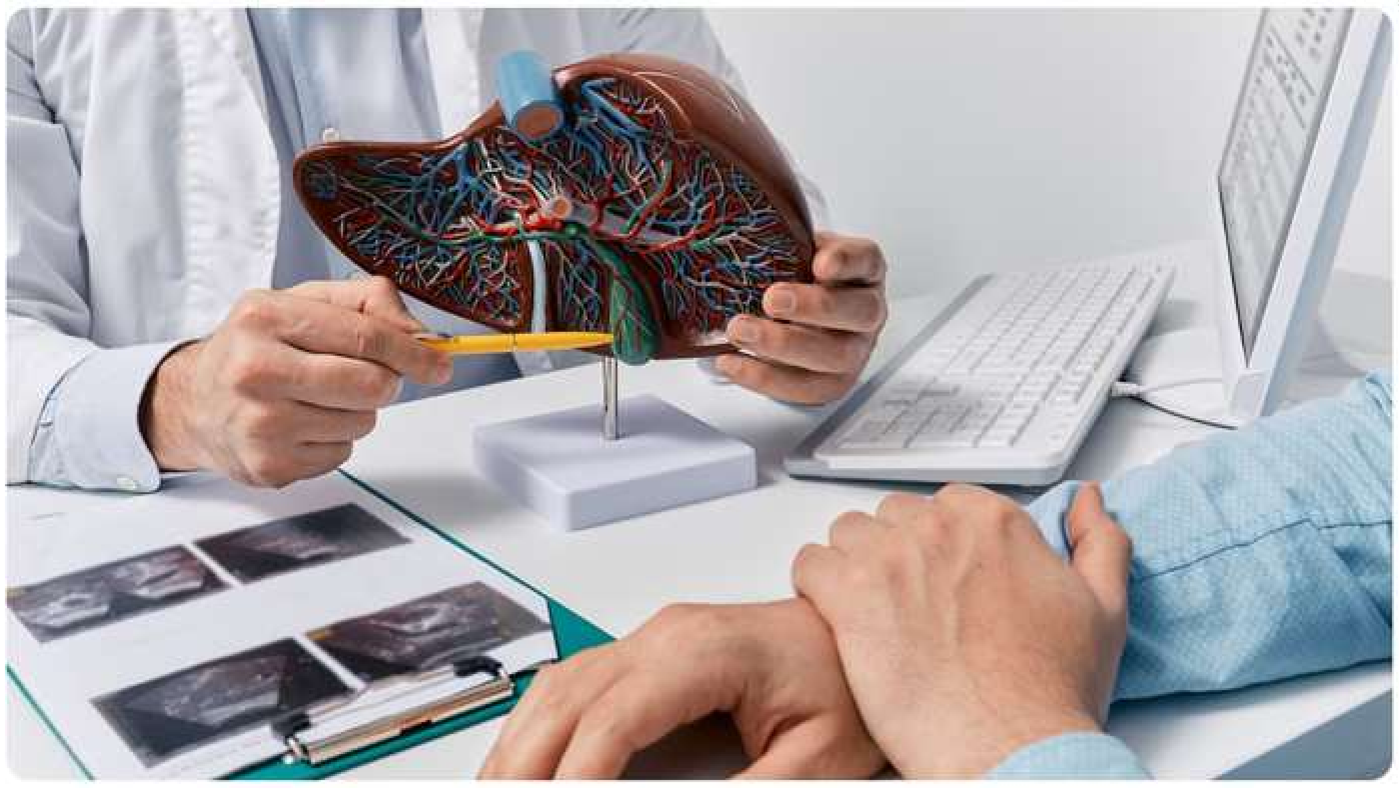

Warning: Indians' hearts are aging at a younger age, obesity and poor lifestyles are increasing the risk of heart disease.

Increasing obesity and poor lifestyles in India are causing people's hearts to age prematurely. Experts have warned that this could increase the risk of heart attacks, strokes, and heart disease at a younger age. Doctors have warned that due to rising obesity in India, many people's cardiac age, i.e., their heart age, is increasing much faster than their actual age. According to doctors, this means the heart and blood vessels are aging faster, increasing the risk of heart disease, stroke, and other heart-related problems at a younger age. This warning from experts comes after the results of the National Family Health Survey-6 (NFHS-6) showed a rapid increase in obesity among Indian adults. The survey found that 30.7 percent of women aged 15-49 were obese in 2023-24, compared to 24 percent in NFHS-5 of 2019-21. Meanwhile, among men, this proportion has increased from 22.9% to 27.3%. Experts say that this trend, combined with rising diabetes and high blood pressure, will further increase the burden of heart disease. Lifestyle improvements and an active lifestyle are essential. According to Dr. Nitish Naik, Professor of Cardiology at AIIMS, Delhi, cardiac age does not reflect a person's actual age, but rather the health of their cardiovascular system. Even a 35-year-old with obesity, diabetes, high blood pressure, and a sedentary lifestyle can face the same cardiovascular risks as an older adult. He said that many Indians are unaware that damage to the heart and blood vessels often begins years before symptoms appear. Therefore, lifestyle improvements and an active lifestyle are crucial. Quitting smoking and timely treatment can keep the heart young. The good news is that regular exercise, a balanced diet, avoiding ultra-processed foods and sugary drinks, getting 7–8 hours of sleep, weight control, quitting smoking, and timely treatment can help keep the heart young. Dr HS Issar, head of the cardiology department at VMMC and Safdarjung Hospital, said excess fat around the abdomen increases inflammation, bad cholesterol, diabetes and high blood pressure, significantly increasing the risk of heart attack, heart failure and stroke.

If you're not a BP patient, but notice these symptoms, be alert immediately.

Most people with high blood pressure remain undiagnosed for a long time. However, in many cases, the body begins to display signs that people ignore, thinking they're a common problem. If you've always considered high blood pressure to be a risk factor for heart attacks, beware. This problem can be dangerous for everything from the heart to the brain, from the eyes to the nerves. Doctors call high blood pressure a silent killer because it continues to damage the body internally without any obvious symptoms. Previously, this problem was more common in older adults, but now cases of high blood pressure are increasing in children and adolescents under 10 years of age. This can increase the risk of heart disease, stroke, and kidney disease in the future. It's important to understand that high blood pressure isn't just dangerous for those who are suffering from it and taking medication. Even if you don't show symptoms, it's possible that high blood pressure continues to pose a risk without you even realizing it. Are you also suffering from high blood pressure? Health experts say the biggest concern is that most people with high blood pressure remain undiagnosed for a long time. Here, serious attention should be paid to the body's signals. Our bodies give off certain signals that many people ignore, thinking they are a common problem. These signals could indicate high blood pressure. Furthermore, after the age of 20, one should regularly have their blood pressure checked. Recognizing the signs of high blood pressure early can prevent serious illness. Morning headaches can occur for a variety of reasons, but if the problem persists, it shouldn't be ignored. Studies have found that long-term, uncontrolled high blood pressure can increase pressure on the blood vessels in the brain, leading to headaches. However, not every headache is caused by high blood pressure. If headaches are accompanied by dizziness, weakness, or blurred vision, you should have your blood pressure checked. Is your vision becoming weak or your vision is getting worse? High blood pressure has also been shown to affect the eyes. The small blood vessels in the eyes signal many changes in the body. Persistently elevated blood pressure can damage the blood vessels in the retina, leading to problems like blurred vision, difficulty reading, or vision loss. People often ignore this, thinking it's a simple eye problem. If you notice sudden changes in your vision, you should definitely get your blood pressure checked along with your eye exam. Shortness of breath with even little exertion - If you feel tired and short of breath even while climbing stairs or doing light work, this could be an important sign. High blood pressure forces the heart to work harder to pump blood throughout the body. Over time, this can affect heart function. Shortness of breath can also be a symptom of many other diseases, but if this problem persists, you should consult a doctor. Frequent rapid heartbeat - Many people complain of a sudden, unexplained rapid heartbeat. This condition can be caused by stress, caffeine, or other factors, but persistent heartbeat may be a sign of high blood pressure. If a rapid heartbeat is accompanied by dizziness, chest pain, or weakness, consult a doctor immediately.

A fierce battle for power and authority erupts in 'Kyunki 2'; will Reyansh set the Virani family ablaze with revenge?

: While marriages were crumbling in the TV serial 'Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2', the show has now taken a new turn, depicting domestic strife and conflict. The second season of the TV show 'Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi' is currently raging. The Virani family is considered an example of love and affection. Everyone is willing to sacrifice for the other members. However, these days, each member is seen fighting for their rights. This atmosphere in the family has arisen following the entry of Tulsi's grandson, Reyansh. Reyansh, who has come with the intention of revenge, is the son of Tulsi's son, Ansh, who was shot dead by Tulsi herself for his misdeeds. Now, Ansh's son, Reyansh, has joined the show. Tulsi is delighted to see her grandson and has given him a place in the family to give him his due. Meanwhile, Reyansh has come to Virani House with a vengeful intention: avenge his father's death and destroy the Virani family. Gautam and Damini are furious. Nandini is upset with Reyansh for being given a place in the house. She expresses her displeasure with Tulsi. Furthermore, Tulsi has also given the reins of the business to Reyansh instead of Karan and Nandini's son, Parth, which has only added fuel to the fire. Angrily, Nandini reminds Karan that Karan has helped manage the house and business. He has provided money during financial hardships, which is why everyone survived. Gautam and Damini are furious after learning this truth. Will there be a rift between Parth and Vaishnavi? Meanwhile, Parth and Vaishnavi get engaged. Reyansh has also come between Parth and Vaishnavi and is trying every trick in the book to create a rift between them. Recently, Parth had planned a surprise party for Vaishnavi's birthday. However, Reyansh deliberately keeps Vaishnavi at the office, overloading her with work. This infuriates Parth. In the upcoming episodes, we will see if Reyansh succeeds in poisoning Parth and Vaishnavi's relationship. Will the Virani family be consumed by Reyansh's vengeance? Or will Tulsi, as always, avert trouble?

She starred in films with Akshay Kumar and Kamal Haasan, and was often called Madhuri Dixit's lookalike. Why did this actress distance herself from the industry?

Learn about an actress who was often called Madhuri Dixit's lookalike. But despite numerous hit films, what led her to distance herself from the film industry? The 1990s were a significant period for Bollywood. It was a time when many big stars emerged, but it was also a time when a single hit film could make a newcomer an overnight star. One such actress was Farheen Prabhakar, also known as Farheen Khan. She established her identity in the industry in a very short time. She lost a major film, fell in love with a cricketer, and just when her career was about to reach its peak, she abruptly left the film world. Farheen Khan made her Bollywood debut in 1992 with the film "Jaan Tere Naam," starring Ronit Roy in the film. The pairing was well-received by audiences, and the film proved to be a hit. Farheen's striking resemblance to Madhuri Dixit earned her the nickname "Madhuri's lookalike." Many expected her Bollywood career to be long and successful. Soon after her debut, she was offered Shah Rukh Khan's film "Baazigar," but she declined the offer and chose to star in the Tamil film "Kalaignan" with Kamal Haasan. While "Baazigar" was a superhit, her Tamil film didn't do well at the box office. After this, Farheen worked in Hindi and South Indian films. She starred opposite Akshay Kumar in films like "Sainik," "Dil Ki Baazi," and "Nazar Ke Samne." She also appeared in films like "Agni Prem," "Fauj," and "Tahkiqat." Farheen's personal life: During her career, Farheen fell in love with former Indian cricketer Manoj Prabhakar. They met in 1993 and soon began a relationship. At the time, Manoj Prabhakar was going through problems in his first marriage. In 1994, the two secretly married, as Manoj had not yet received a divorce. Farheen and Manoj have two sons, Rahil and Manvansh. Rahil is preparing to become an actor, while Manvansh is studying in the United States. Manoj Prabhakar was granted a divorce in 2008, and in 2009, they married according to Hindu customs. After marriage, Farheen distanced herself from films and settled in Delhi with her family. She herself stated that she decided to prioritize her family and was happy being a homemaker.

Why is Chiranjeevi jealous of his son Ram Charan? The actor made a big statement about 'Peddi'; he said this

Megastar Chiranjeevi has made a big statement about his son Ram Charan's film 'Peddi'. He said that he is a little jealous of Ram Charan. Find out why. Chiranjeevi has spoken from his heart about Ram Charan's film 'Peddi'. He praised the film and said that he is very proud of his son, but he also admitted that he felt a little jealous. What did Chiranjeevi say about the film?Chiranjeevi said that 'Peddi' is the kind of sports drama he had long wanted to make. He said that the film is not just a commercial entertainer, but also has a good learning and inspirational message. During a conversation, Chiranjeevi said, "These days, some people are saying that Ram Charan is even better than Chiranjeevi. As a father, I am very proud of this." But as an actor, it's a little difficult to accept.' Chiranjeevi wanted to play such a role. He further explained that he always wanted to do a sports-based film. He said, "When I wasn't getting such opportunities, the Hindi film 'Dangal' came out. After watching it, I thought I wanted to do a similar film. But no director ever came to me with such a story." 'Peddi' releases on June 4 - Ram Charan plays the lead role in 'Peddi'. He plays a village man who, besides being a sports star, is also a community leader. Janhvi Kapoor, Boman Irani, Shiva Rajkumar, Jagapathi Babu, and Divyendu also play important roles in it.